

श्वेता विजन

“नजरिया साफ, ख़ब्बरें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

साइबर क्राइम
पुलिस ने
'डिजिटल
अरेस्ट'
धोखाधड़ी मामले
का पर्दाफाश
कियाय दो आरा.
'पी गिरफ्तार
2

सोमवार 19 अक्टूबर 2026

हैदराबाद से प्रकाशित

WEB SITE : Shwetha.co.in

संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी

पुष्ट - 1। अंक - 34। वर्ष - 8। मूल्य - ३४

‘इंटरनेट एक मौलिक अधिकार’, बच्चों के इस्तेमाल पर रोक को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अहम टिप्पणी करते हुए संविधान के अनुच्छेद 21 और 19(1) के तहत, बच्चों सहित हर व्यक्ति के लिए इंटरनेट तक पहुंच और इसके इस्तेमाल को एक मौलिक अधिकार घोषित किया। कोर्ट ने कहा कि “हमारे बच्चों की सुरक्षा और उनकी आजादी, एक-दूसरे के खिलाफ नहीं हैं।” लाइवलों (स्पअमर्स) की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने सुझाव दिया कि बच्चों को इंटरनेट के इस्तेमाल से पूरी तरह रोकने के बजाय, सोशल मीडिया अकाउंट्स के लिए ‘पाइल्ड मोड’ जैसे उपाय अपनाकर उनकी ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत किया जाना चाहिए। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने यह टिप्पणी तब की, जब वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य ऑनलाइन सेवाओं से बच्चों के यौन शोषण और दुर्यवहार से जुड़ी सामग्री (फाइल) का पता लगाने और उसे हटाने के तंत्र को मजबूत करने के लिए निर्देश जारी कर रहे थे। “बच्चों को सुरक्षा और आजादी दोनों मिलनी चाहिए”



‘लाइवलों’ के मुताबिक, बेंच ने कहा: “हमें यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1) के तहत, इंटरनेट तक पहुंच और इसका इस्तेमाल करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। हमारे बच्चों को, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, यही अधिकार प्राप्त हैं। उन्हें इन अधिकारों से पूरी तरह वंचित करना उतना ही बेतुका होगा, जितना यह कहना कि एक निश्चित उम्र से कम उम्र के बच्चों के पास न

तो कोई ऐसी समझ है जिसकी रक्षा की जानी चाहिए, और न ही अभिव्यक्ति की ऐसी आजादी है जिसे व्यक्त किया जाना चाहिए। हमारे बच्चों की सुरक्षा और उनकी आजादी एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। हमारे बच्चों को ये दोनों ही चीजें मिलनी चाहिए।” “हर तरह की पाबंदी लगाना सही समाधान नहीं” पीठ ने माना कि इंटरनेट, अपने मौजूदा रूप में, बच्चों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करता है। हालांकि,

‘राहुल गांधी विदेशी टूलकिट गैंग के मोहरे’, उश्रच अध्यक्ष नितिन नवीन का बड़ा बयानय बैलेट पेपर पर भी घेरा

पटना: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। पटना में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राहुल गांधी को ‘विदेशी टूलकिट गैंग का मोहरा’ बताया। नवीन ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति को रूढ़ीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष देश के विकास की छवि को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष जनता के जनादेश का अपमान कर रहा है। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस, चुनाव में हारने के बाद चुनावी संस्थाओं पर सवाल उठाकर जनता के जनादेश का अपमान कर रहा है। उन्होंने कहा, विपक्ष, खासकर कांग्रेस, अपनी हार के लिए चुनावी संस्थाओं को जिम्मेदार ठहराकर जनता के जनादेश का अपमान कर रहा है। राहुल गांधी विदेशी टूलकिट गैंग के मोहरे की तरह काम कर रहे



हैं और भारत के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। पट को लेकर विपक्ष के विरोध पर उठाए सवालविहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी ‘पट’ को लेकर विपक्षी नेताओं, छात्र संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का विरोध जारी है। ये संगठन मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का आरोप लगा रहे हैं। इस पर नितिन नवीन ने सवाल किया कि बिहार में चुनाव आयोग की ओर से ‘पट’ की

प्रक्रिया पूरी होने और 30 सितंबर 2025 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद कितने विपक्षी नेताओं ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी। बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग पर क्या बोले? विपक्ष की ओर से बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग पर भी नवीन ने निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मांग से बिहार को फिर से ‘जंगलराज’ के दौर में घकेलने की कोशिश की जा रही है।

‘रात को सो नहीं पा रहे मोदी-शाह और ज्ञानेश कुमार...’ गोवा में गरजे राहुल

पणजी (गोवा): लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एक बार फिर से हमला बोला है। गोवा के मडगांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने सीधे तौर पर चुनाव प्रणाली और देश के शीर्ष नेतृत्व को कटघरे में खड़ा किया। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके इस आरोप पर सरकार उनके खिलाफ केस दर्ज करने से डर रही है। ‘वोट चोरी के आरोप पर क्यों केस दर्ज नहीं करा रहे नरेंद्र मोदी?’ मडगांव क्रिकेट क्लब मैदान में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, “...ज्ञानेश कुमार वोटों की चोरी को लागू करते हैं, अमित शाह इसे संघालित करते हैं, और नरेंद्र मोदी पर्दे के पीछे से इस पूरी योजना को तैयार करते हैं। मैं इस समय 45 से अधिक मानहानि के मामलों का सामना कर रहा हूँ— जो मामले अमित शाह, नरेंद्र मोदी और अन्य लोगों द्वारा मेरे खिलाफ दायर किए गए हैं।” “उन्होंने आगे कहा, “इन 45 मामलों के बावजूद, मैं हर मौके पर यह कहना जारी रखता हूँ कि नरेंद्र मोदी वोट चुराते हैं। फिर भी, विशेष रूप से इस दावे के लिए मेरे खिलाफ कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया है, क्या आप जानते हैं क्यों? क्योंकि उन्हें डर है कि अगर यह मामला अदालत में गया— विशेष रूप से वोटों की चोरी को लेकर— तो यह एक पूरी कानूनी प्रक्रिया को शुरू कर देगा जिसमें वे खुद ही उलझ जाएंगे।” ज्ञानेश कुमार, रात में सो नहीं पाते चुनाव प्रणाली पर हमला जारी रखते हुए एलओपी ने कहा, “दिल्ली



में ज्ञानेश कुमार नाम के एक व्यक्ति हैं— वह रात को सो नहीं पाते, उन्हें चैन नहीं मिलता। न ही मोदी जी को चैन मिलता है और न अमित शाह को, वे अच्छी तरह जानते हैं कि देर-सबेर, कांग्रेस पार्टी उनसे हिंसा मांगेगी और न्याय सुनिश्चित करेगी।” “उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, “हम संविधान के रक्षक हैं, यह हमारा पवित्र कर्तव्य है। वोट चुराकर उन्होंने संविधान पर हमला किया है और हम इसे रूढ़ीकार नहीं करेंगे, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार को न्याय का सामना करना पड़ेगा और उन्हें अपने कर्म की कीमत चुकानी होगी।” गोवा को बताया देश का सबसे भ्रष्ट राज्यआगामी चुनावों को देखते हुए राहुल गांधी ने स्थानीय सरकार को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, “यहां भ्रष्टाचार है, असल में गोवा पूरे देश में सबसे भ्रष्ट राज्य हो सकता है, इन लोगों ने गोवा को भ्रष्टाचार का एक ‘मॉडल’ बना दिया

है।” कांग्रेस की ‘गोय राखण यात्रा’ का समापनपीएम मोदी और अमित शाह पर इस बड़े हमले से ठीक पहले राहुल गांधी ने गोवा में पार्टी की ‘गोय राखण यात्रा’ (गोवा बचाओ यात्रा) के समापन कार्यक्रम में हिस्सा लिया, राहुल गांधी दोपहर में डाबोलिम हवाई अड्डे पहुंचे और वहां से सीधे मडगांव में कार्यक्रमों और पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ करीब दो किलोमीटर पैदल चले इस यात्रा में राहुल गांधी के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एबी) के गोवा प्रभारी माणिकराव ठाकरे, सह-प्रभारी डॉ. अंजली निबालकर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष युरी अलेगाओ और गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडनकर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। 2027 विधानसभा चुनाव पर नजरयूरी अलेगाओ और गिरीश चोडनकर के नेतृत्व में यह 27 दिना की लंबी ‘गोय राखण यात्रा’ बीते 22 सितंबर को शुरू हुई थी। इस यात्रा

कोलकाता में पूजा पंडाल हादसे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रद्द किए कार्यक्रम, अस्पताल जाकर घायलों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुए हादसे के बाद, उन्होंने रविवार को पश्चिम बंगाल में अपने सभी तय कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। गृह मंत्री शाह ने इस दुर्घटना को लेकर पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंद्रु अधिकारी से भी बात की है। अमित शाह ने इस घटना में हुई मौतों पर शोक भी जताया है। अस्पताल में जाकर घायलों से मिलेंगे शाहअमित शाह ने 7 पोस्ट में लिखा, ‘अभी-अभी कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ का अत्यंत दुःखद समाचार मिला। इस संबंध में मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी से बात की। इस हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूँ और परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ। प्रशासन द्वारा घायलों को हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। पश्चिम बंगाल के अपने कल के सभी कार्यक्रम स्थगित कर अस्पताल जाकर घायलों से मिलूंगा। मां दुर्गा से सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। गौरवलेभ है कि कोलकाता के चोरबागान में शाम करीब 7 बजकर 40 मिनट पर हादसा हुआ है। यहां दुर्गा पूजा पंडाल का एक हिस्सा टूटकर गिर गया। जिसमें दबने से 17 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 35 लोग घायल रफ से एक घोषणा किए जाने के बाद यहां भगदड़ जैसे हालात बन गए। यह बहुत दुःखद है। हमारी प्रॉयरेटी पीडिटों के परिवारों के साथ खड़े



होना और यह सुनिश्चित करना है कि घायलों को इलाज मिले। सरकार मिलकर काम कर रही है। मैं सभी पूजा कमेटीयों से अपील करता हूँ कि वे पुलिस के साथ तालमेल बिठाएं और बाहर निकलने के लिए उचित रास्ते सुनिश्चित करें। मामले की फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी— बड़ शुभेंद्रुमुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी ने आगे कहा कि थीम-आधारित पूजा के नाम पर, कई पंडालों के अंदर रोशनी की उचित व्यवस्था नहीं होती है। मैं सभी को भरोसा दिलाता हूँ कि हम सबकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। एक जांच टीम यह पता लगाएगी कि असल में क्या हुआ था। कोलकाता पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वे निजी सुरक्षाकर्मियों और पूजा आयोजकों को भी भरोसा दिलाता हूँ कि हम सबकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। एक जांच टीम यह पता लगाएगी कि असल में क्या हुआ था। कोलकाता पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वे निजी सुरक्षाकर्मियों और पूजा आयोजकों

घटना है। 17 लोगों की मौत हो गई है। क्लब की तरफ से एक घोषणा किए जाने के बाद वहां भगदड़ जैसे हालात बन गए। यह बहुत दुःखद है। हमारी प्रॉयरेटी पीडिटों के परिवारों के साथ खड़े होना और यह सुनिश्चित करना है कि घायलों को इलाज मिले। सरकार मिलकर काम कर रही है। मैं सभी पूजा कमेटीयों से अपील करता हूँ कि वे पुलिस के साथ तालमेल बिठाएं और बाहर निकलने के लिए उचित रास्ते सुनिश्चित करें। मामले की फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी— बड़ शुभेंद्रुमुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी ने आगे कहा कि थीम-आधारित पूजा के नाम पर, कई पंडालों के अंदर रोशनी की उचित व्यवस्था नहीं होती है। मैं सभी को भरोसा दिलाता हूँ कि हम सबकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। एक जांच टीम यह पता लगाएगी कि असल में क्या हुआ था। कोलकाता पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वे निजी सुरक्षाकर्मियों और पूजा आयोजकों

तेलंगाना में डांडिया कार्यक्रम के दौरान हादसा, लाइटिंग के लिए लगा आर्च गिरने से एक छात्रा की मौत, 12 घायल

हैदराबाद से सटे रंगारेड्डी जिले में डांडिया इवेंट में उस वक्त मातम पसर गया, जब लाइटिंग के लिए लगा आर्च भरभराकर गिर गया। जानकारी के मुताबिक इंजीनियरिंग कॉलेज कैम्पस में ये इवेंट हो रहा था, जिसमें 1 छात्रा की मौत हो गई। इसके अलावा करीब 12 लोग अभी भी घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक छात्रा की पहचान सोना नारायण दास के रूप में हुई है। वह कॉलेज में इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट की फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। एक छात्रा की हुई मौत एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, “नादरगुल के एमवीएसआर कॉलेज में डांडिया कार्यक्रम के दौरान एक लिफ्टिंग स्टैंड गिरने से एक छात्रा की मौत हो गई और बारह अन्य



घायल हो गए। हमने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।” प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना कॉलेज के दो दिवसीय वार्षिक तकनीकी-सह-सांस्कृतिक उत्सव ‘संगम’ के समापन के दौरान हुई। सैकड़ों छात्र मैदान में नाच रहे थे तभी स्टैंड की सजावटी लाइटों को सहारा देने वाला एक विशाल धातु का खंभा टूटकर गिर गया और छात्राओं के एक समूह पर जा गिरा।

फिलहाल पुलिस अधिकारी ने बताया, “कॉलेज प्रबंधन द्वारा आयोजित डांडिया कार्यक्रम के दौरान हुई विजली की धीम गिरने की घटना के संबंध में एमवीएसआर कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हम फिलहाल मामले की जांच कर रहे हैं।” परिजनों ने लगाए लापरवाही के आरा. पत्रकार पीडिता के याचा सुरेश ने आरोप लगाया कि सुरक्षा में हुई चूक के कारण यह जानलया हादसा हुआ। सुरेश ने पत्रकारों को बताया, “मुझे शाम 7:00 से 8:00 बजे के बीच फोन आया। एमवीएसआर कॉलेज में डांडिया कार्यक्रम चल रहा था। उस समय तेंज हवा चल रही थी और अचानक एक लाइट और सजावट का खंभा गिर गया। मेरे दोस्त अशोक ने मुझे फोन करके बताया कि वह सीधे

साइबर क्राइम पुलिस ने 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी मामले का पर्दाफाश कियाय दो आरोपी गिरफ्तार

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ
 साइबर क्राइम पुलिस ने 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी मामले का खुलासा किया। दो आरोपी गिरफ्तार। हैदराबाद सिटी की साइबर क्राइम पुलिस ने 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी मामले में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी 'म्यूल्' (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले) बैंक खाते उपलब्ध कराने, धोखाधड़ी से हासिल की गई रकम निकालने और पैसों के स्रोत (मनी ट्रेल) को छिपाने के लिए उस रकम को अलग-अलग बैंक खातों में जमा करने का काम करते थे। इसके अलावा, वे साइबर अपराधियों के साथ मिलकर 'क्वै' (डिजिटल करेंसी) के जरिए लेनदेन में मदद करते थे और इस काम के बदले कमीशन लेते थे।
 मामला संख्या (ब. छव.) 568/2025 एच एच की धारा 66(डि) और 66(डि) तथा उडई की धारा 111(2)(डि), 318(4), 319(2), 336(3), 338 और 340(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों का विवरण:

1-1: मो. अशफाक हुसैन, पिता: मुस्ताक हुसैन, उम्र: 27 वर्ष, पेशा: व्यवसाय, निवासी: अमीरपेट, हैदराबाद। 1-2: अहमद नजीब उद्दीन, पिता: मो. अहमद उद्दीन, उम्र: 27 वर्ष, पेशा: व्यवसाय, निवासी: अमीरपेट, हैदराबाद। 1-3: सचिन, निवासी: बेंगलुरु (फरार)। मामले की जानकारी: 03.03.2025 को, शिकायतकर्ता (एक 63 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्मचारी) को कुछ अज्ञात लोगों के फोन आए। फोन करने वालों ने खुद को दिल्ली पुलिस, ब्र और प्रवर्तन निदेशालय (न्यू) का अधिकारी बताया। इन लोगों ने झूठा आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता 68 मिलियन रुपये (6.8 करोड़ रुपये) के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शामिल है और उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी। अपनी बातों को सच साबित करने के लिए, लोगों ने फर्जी सरकारी दस्तावेज भेजे और दावा किया कि इस अपराध में शिकायतकर्ता के आधार विवरण और फिंगरप्रिंट का गलत इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने पीडित और उसकी बेटी से उनकी निजी और बैंकिंग जानकारी हासिल कर ली। फिर, 'वेरिफिकेशन' (सत्यापन) के बहाने उन्हें पैसे ट्रांसफर करने के लिए राजी किया और भरोसा दिलाया कि यह रकम वापस कर दी जाएगी। लोगों ने उन्हें गिरफ्तारी की धमकी भी दी और 'राष्ट्रीय सुरक्षा' का हवाला देकर इस बात को गुप्त रखने के लिए कहा। उनकी बातों पर यकीन करके, पीडित और उसकी बेटी ने कुल 28,17,668 रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब धूपसे वापस नहीं आए, तो पीडित को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। इसके बाद उसने पुलिस से संपर्क किया और कानूनी कार्रवाई की मांग की। उसकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी: जांच के दौरान मिले



तकनीकी सबूतों के आधार पर, 17-10-2026 को पुलिस इन्स्पेक्टर के, नारायण रेड्डी और उनकी टीम ने हैदराबाद के अमीरपेट से दो आरोपियों - 1-1: धमो अशफाक हुसैन और 1-2: अहमद नजीब उद्दीन - को गिरफ्तार किया। उन्हें आगे की पूछताछ के लिए हैदराबाद सिटी के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन लाया गया। पूछताछ में पता चला कि 1-1 और 1-2 आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे और व्हाट्सएप के जरिए बेंगलुरु के रहने वाले सचिन (1-3) के संपर्क में आए थे। आरोप है कि 1-3 ने 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी के जरिए ठगे गए पैसों को कई बैंक खातों से घुमाने की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्होंने 'कैश डिपॉजिट मशीनों' (क्यूड) का इस्तेमाल किया, ताकि पैसों का पता न चल सके (मनी ट्रेल छिपाया जा सके) और जांच एजेंसियों के लिए ट्रैजिक्शन को ट्रैक करना मुश्किल हो जाए। इस योजना के तहत, 1-1 ने 1-2 से बैंक खाते की जानकारी ली और उसे 1-3 के साथ साझा किया। इसके बाद, 1-3 ने धोखाधड़ी से हासिल की गई रकम को 1-2 द्वारा दिए गए बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया। फिर, 1-3 के निर्देश पर 1-1 और 1-2 ने चेक के जरिए पैसों निकाले और क्यूड का इस्तेमाल करके उन्हें अलग-अलग बैंक खातों में जमा कर दिया। इसके बाद, आरोप है कि 1-3 ने जमा की गई रकम से 'क्वै क्रिप्टोकॉइन्स' खरीदी और फिर उसे ऑनलाइन बेचकर भारतीय रुपये हासिल कर लिए।

इन ट्रैजिक्शन में मदद करने के बदले, 1-1 और 1-2 को 1-3 से कमीशन मिला। गिरफ्तारी के समय, साइबर क्राइम पुलिस ने 1-1 और 1-2 के पास से दो एप्पल आईफोन (14 घनसम पथिवदमे) जब्त किए। जांच में यह भी पता चला है कि कथित धोखाधड़ी के मामलों के संबंध में पूरे भारत में लगभग 18 मामले दर्ज किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को हैदराबाद की संबंधित अदालत के समक्ष पेश किया गया। फरार आरोपियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने, वित्तीय लेन-देन की जांच करने, तथा इस धोखाधड़ी में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है। यह अभियान हैदराबाद सिटी के डै, क्व के पुलिस उपायुक्त (क्यू) श्री एस. चोतन्य कुमार, कै. के मार्गदर्शन में, और हैदराबाद सिटी के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस आयुक्त (क्यू) श्री आर. जी. शिवा मारुति की सीधी देखरेख में चलाया गया। इसमें पुलिस इन्स्पेक्टर श्री के. नारायण रेड्डी, ए. मनमोहन गौड़, ए. जी. शिवकुमार और उनकी टीम शामिल थी।

हस्ताक्षर-
 एम. श्रीनिवासुलु, डै,
 अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क.क.स. बउउपेपवदमत व च्वसपबम)
 क्राइम्स एंड एच, हैदराबाद सिटी।

धर्म बदलने पर नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ', सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसलाय तमिलनाडु सरकार को झटका



नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू धर्म में अनुसूचित जाति (य) या पिछड़े वर्ग से जुड़ा व्यक्ति किसी दूसरे धर्म को अपनाने को बाद उसी आधार पर आरक्षण का लाभ पाने का दावा नहीं कर सकता। कोर्ट के मुताबिक, हिंदू सामाजिक व्यवस्था में किसी व्यक्ति की सामाजिक विच्छेदन से जुड़ी स्थिति दूसरे धर्म को अपनाने के बाद अपने आप उस धर्म की सामाजिक व्यवस्था में लागू नहीं हो जाती। कोर्ट ने इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को सही माना है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसमें धर्म बदलकर मुस्लिम बने लोगों को आरक्षण देने का फैसला किया गया था। तमिलनाडु सरकार को झटका इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि इस्लाम अपनाने भर से कोई व्यक्ति राज्य की तय पिछड़े मुस्लिम समुदायों में शामिल नहीं हो जाता। पुराने जाति या समुदाय के आधार पर नए धर्म में आरक्षण का लाभ अपने आप नहीं मिल सकता। कोर्ट ने कहा कि अनुसूचित जाति का दर्जा भी संविधान में तय धर्म संबंधी नियमों के अनुसार ही मिलेगा। दरअसल, तमिलनाडु सरकार ने मार्च 2024 में एक आदेश जारी किया था। इसके तहत पिछड़े वर्ग, अति पिछड़े वर्ग, कुछ अधिसूचित समुदायों और अनुसूचित जाति से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को पिछड़े मुस्लिम वर्ग के तहत प्रमाणपत्र देकर आरक्षण का लाभ देने की व्यवस्था की गई थी। मद्रास हाईकोर्ट ने इस आदेश को रद्द कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की अधिसूचना को रद्द दिया था। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति चंद्रशेखर की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि इस्लाम अपनाने वाला कोई व्यक्ति केवल धर्म परिवर्तन के आधार पर पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम) श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा नहीं कर सकता। कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखते हुए, जिसने धर्म परिवर्तन करने वाले मुसलमानों को आरक्षण देने संबंधी तमिलनाडु सरकार की अधिसूचना को रद्द कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। 17 अगस्त को, शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। राज्य सरकार की अपील में कहा गया था कि यह फैसला ऐसे महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है जो एक विशेषज्ञ वैधानिक आयोग की सिफारिशों के आधार पर बनाई गई कार्यकारी नीति में हस्तक्षेप के दायरे से जुड़े हैं।

अंकिता भंडारी मर्डर केस में इंडिया गेट पर धरना दे रहे उसके माता-पिता पुलिस हिरासत से रिहा, कई कांग्रेसी नेता अभी भी डिटेल



नई दिल्ली: उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी के लिए इसाफ की लड़ाई में धरने पर बैठे अंकिता के माता-पिता को पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद अब छोड़ दिया है। कल रात दिल्ली पुलिस ने इंडिया गेट के पास धरने पर बैठे अंकिता भंडारी के माता पिता के साथ कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। बाद में पुलिस ने अंकिता के माता पिता को छोड़ दिया। कांग्रेस के कुछ नेताओं को पुलिस ने अभी हिरासत में रखा है। दरअसल, बुधवार अंकिता के माता-पिता इंडिया गेट में धरने पर बैठ गए थे। देखते ही देखते कांग्रेस नेताओं ने इस पर सियासत शुरू कर दी। मोदी सरकार और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कई घंटों तक कांग्रेसी नेता नारेबाजी करते रहे। इसके बाद देर रात पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। रातभर चला धरना प्रदर्शन जानकारी के अनुसार, कांग्रेसी नेताओं के साथ अंकिता भंडारी के माता-पिता ने रात भर इंडिया गेट पर धरना प्रदर्शन किया। सुबह करीब चार बजे सभी को हिरासत में ले लिया गया। कांग्रेस ने पुलिस के इस कदम की कड़ी निंदा की। कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शनकारियों के इससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस डच प्रियंका गांधी ने धरने के दौरान अंकिता के माता-पिता से मुलाकात की। बता दें कि अंकिता भंडारी उत्तराखंड के एक रिसॉर्ट में काम करती थी। उसकी सितंबर 2022 में हत्या कर दी गई थी। उसकी लाश उसी साल 24 सितंबर को चिल्ला नहर से मिली थी। रिसॉर्ट के मालिक पुर्ल, कत आर्य और दो कर्मचारियों, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को 30 मई, 2025 को हत्या, सबूत मिटाने और दूसरे अपराधों के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। साथ बदसलूकी करने और अंकिता के लिए न्याय की मांग करने वालों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। अंकिता के परिजनों ने कहा कि अगर न्याय नहीं मिला, तो मेरी बेटी को न्याय मिलने तक पूरे देश में विरोध प्रदर्शन होंगे। सितंबर 2022 में हुई थी अंकिता की हत्याइससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस डच प्रियंका गांधी ने धरने के दौरान अंकिता के माता-पिता से मुलाकात की। बता दें कि अंकिता भंडारी उत्तराखंड के एक रिसॉर्ट में काम करती थी। उसकी सितंबर 2022 में हत्या कर दी गई थी। उसकी लाश उसी साल 24 सितंबर को चिल्ला नहर से मिली थी। रिसॉर्ट के मालिक

प्रतापगढ़ में डबल मर्डर से सनसनीय पत्नी और दो साल के बेटे की हत्या, पुलिस ने पति को हिरासत में लिया

प्रतापगढ़: संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत लालपट्टी नया पुरवा गांव में शनिवार देर रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गांव में एक महिला और उसके दो वर्षीय मासूम बेटे की संदिग्ध हत्या में मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने पति पर पत्नी और दो वर्षीय मासूम बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के लालपट्टी गांव के नया पुरवा में रविवार सुबह बादी लवकुश ने 112 पर सूचना दी गई कि एक सुरेश पटेल जो उसके जीजा लगते हैं उन्होंने सुबह सूचना दी कि उसकी पत्नी और बच्चे ने आत्महत्या कर ली है। प्रतापगढ़ डबल मर्डर से सनसनी (टपकमव बतमकपज: म्प्ट ठीतंज) उन्होंने बताया कि मौके पर पुलिस टीम की जांच में आत्महत्या की चीजें नहीं मिलीं। शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। पूछताछ में जो बात निकलकर आई उसमें पति के ही द्वारा पत्नी और उसके 2 साल के बच्चे को पीटकर हत्या की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पूरा मामला निकलकर आएगा। पंचनामा के बाद पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने पति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मृतका नीता की शादी लगभग 12 साल पहले हुई थी। अनीता के मायके वालों ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि पहले भी कई बार शराब के नशे में मारपीट करता था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के लालपट्टी नया पुरवा गांव निवासी सुरेश कुमार पटेल की शादी लगभग दस वर्ष पूर्व मानिकपुर थाना क्षेत्र के अंतमऊ गांव निवासी नीता पटेल (30) के साथ हुई थी। दंपती का दो वर्षीय पुत्र यीशु भी था। परिजनों के मुताबिक, शनिवार की रात परिजनों के सदस्य भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे। इसी दौरान देर रात नीता देवी और उनके मासूम बेटे की संदिग्ध



परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष का आरोप है कि सुरेश कुमार पटेल ने पत्नी और बेटे की हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि रविवार सुबह घटना सामने आने के बाद पत्नी के फांसी लगाने की कहानी गढ़ी गई। आरोप है कि पुलिस को तत्काल सूचना देने के बजाय कमरे में पड़े मां-बेटे के शवों को बाहर निकालकर चारपाई पर रख दिया गया। परिजनों के अनुसार, सुरेश कुमार पटेल राजमिस्त्री का काम करता था। परिजनों ने आरोपी पर शराब पीकर पत्नी तथा बच्चों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक, सुरेश कुमार पटेल का एक ही मकान था,

जिसमें परिवार निवास करता था। इसी मकान में उसकी बुजुर्ग मां बशोदा देवी (95) भी रहती थीं। पक्ष के लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दोनों की मौत के बाद जानकारी पर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान आईजी प्रयागराज अजय मिश्रा, पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर, अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय और क्षेत्राधिकारी लालगंज राजीव द्विवेदी ने घटनास्थल का जायजा लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण

रेलवे की दिवाली सौगात: प्रयागराज, अहमदाबाद और नागपुर से चलेंगी विशेष ट्रेनें

कानपुर: आगामी त्योहारी सीजन दिवाली और छठ पूजा में यात्रियों की होने वाली भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सहूलियत के लिए प्रयागराज से असारवा, अहमदाबाद से मालदा टाउन और नागपुर से समस्तीपुर के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इससे उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले मुसाफिरों को काफी सहूलियत मिलेगी। इसके साथ ही घाटमपुर में रेलवे क्रॉसिंग पर मरम्मत कार्य के चलते अस्थायी रूप से रूट डायवर्जन भी किया गया है। नागपुर-समस्तीपुर विशेष ट्रेन का शेड्यूल: ट्रेन संख्या 0120(नागपुर-समस्तीपुर) यह साप्ताहिक विशेष ट्रेन 21 अक्टूबर से 11 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को नागपुर से सुबह 10:40 बजे रवाना होगी। अगले दिन सुबह 4:40 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी और उसी दिन रात 11:45 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 01208 (समस्तीपुर-नागपुर) वापसी में यह ट्रेन 23 अक्टूबर से 13 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को समस्तीपुर से रात 3:00 बजे चलेगी। शाम 6:45 बजे कानपुर सेंट्रल होते हुए शनिवार सुबह 11:30 बजे नागपुर पहुंचेगी। अधिकारियों के मुताबिक, त्योहारी सीजन में ट्रेनों में उमड़ने वाली भारी भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार स्पेशल ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई जा रही है। त्योहारों के दौरान किसी भी यात्री को राफर में परेशानी न हो, इसके लिए विभिन्न रुटों पर अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं— डॉ. शिवम शर्मा, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवेप्रयागराज-असारवा स्पेशल ट्रेन का समय: ट्रेन संख्या 04165(प्रयागराज-असारवा) यह ट्रेन 21 पेशल का परिचालन: ट्रेन संख्या 09401 (अहमदाबाद-मालदा टाउन) यह स्पेशल ट्रेन 21, 28 अक्टूबर तथा 4, 11, 18, 25 नवंबर (प्रत्येक बुधवार) को अहमदाबाद से दोपहर 3:30 बजे रवाना होगी। दूसरे दिन सुबह 7:50 बजे गोविंदपुरी और उसके अगले दिन सुबह 10:00 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 09402 (मालदा टाउन-अहमदाबाद) वापसी में यह ट्रेन 16, 23, 30 अक्टूबर तथा 6, 13, 20, 27 नवंबर (प्रत्येक शुक्रवार) को मालदा टाउन से शाम 6:10 बजे चलेगी। अगले दिन शाम 4:35 बजे गोविंदपुरी और उसके बाद दोपहर 1:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। बंद रहेगी आनूपुर-बरीपाल रेलवे क्रॉसिंग: घाटमपुर में आनूपुर से बरीपाल जाने वाले मार्ग पर हमीरपुर रोड-यमुना साउथ बैंक रेल सेक्शन के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 48 पर मरम्मत का काम किया जाना है। इस कारण यह क्रॉसिंग 20 अक्टूबर सुबह 8:00 बजे से 30 अक्टूबर शाम 6:00 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि इस दौरान आम जनता और वाहनों के आवागमन के लिए रेलवे क्रॉसिंग संख्या 46 और 50 से वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की गई है। से 25 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को प्रयागराज से सुबह 5:00 बजे रवाना होगी। सुबह 8:05 बजे कानपुर सेंट्रल और अगले दिन सुबह 5:45 बजे असारवा से सुबह 8:45 बजे चलेगी। अगले दिन सुबह 4:40 बजे कानपुर सेंट्रल और सुबह 10:35 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। अहमदाबाद-मालदा टाउन स्पेशल का परिचालन: ट्रेन संख्या 09401



बजे चलेगी। अगले दिन शाम 4:35 बजे गोविंदपुरी और उसके बाद दोपहर 1:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। बंद रहेगी आनूपुर-बरीपाल रेलवे क्रॉसिंग: घाटमपुर में आनूपुर से बरीपाल जाने वाले मार्ग पर हमीरपुर रोड-यमुना साउथ बैंक रेल सेक्शन के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 48 पर मरम्मत का काम किया जाना है। इस कारण यह क्रॉसिंग 20 अक्टूबर सुबह 8:00 बजे से 30 अक्टूबर शाम 6:00 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि इस दौरान आम जनता और वाहनों के आवागमन के लिए रेलवे क्रॉसिंग संख्या 46 और 50 से वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की गई है। से 25 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को प्रयागराज से सुबह 5:00 बजे रवाना होगी। सुबह 8:05 बजे कानपुर सेंट्रल और अगले दिन सुबह 5:45 बजे असारवा से सुबह 8:45 बजे चलेगी। अगले दिन सुबह 4:40 बजे कानपुर सेंट्रल और सुबह 10:35 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। अहमदाबाद-मालदा टाउन स्पेशल का परिचालन: ट्रेन संख्या 09401

(अहमदाबाद-मालदा टाउन) यह स्पेशल ट्रेन 21, 28 अक्टूबर तथा 4, 11, 18, 25 नवंबर (प्रत्येक बुधवार) को अहमदाबाद से दोपहर 3:30 बजे रवाना होगी। दूसरे दिन सुबह 7:50 बजे गोविंदपुरी और उसके अगले दिन सुबह 10:00 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 09402 (मालदा टाउन-अहमदाबाद) वापसी में यह ट्रेन 16, 23, 30 अक्टूबर तथा 6, 13, 20, 27 नवंबर (प्रत्येक शुक्रवार) को मालदा टाउन से शाम 6:10 बजे चलेगी। अगले दिन शाम 4:35 बजे गोविंदपुरी और उसके बाद दोपहर 1:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। बंद रहेगी आनूपुर-बरीपाल रेलवे क्रॉसिंग: घाटमपुर में आनूपुर से बरीपाल जाने वाले मार्ग पर हमीरपुर रोड-यमुना साउथ बैंक रेल सेक्शन के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 48 पर मरम्मत का काम किया जाना है। इस कारण यह क्रॉसिंग 20 अक्टूबर सुबह 8:00 बजे से 30 अक्टूबर शाम 6:00 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि इस दौरान आम जनता और वाहनों के आवागमन के लिए रेलवे क्रॉसिंग संख्या 46 और 50 से वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की गई है।

मणिपुर में फूड पॉइजनिंग से मचा हड़कंप, ठैठ के 75 जवानों समेत 78 लोग अस्पताल में हुए एडमिट

मणिपुर में फूड पॉइजनिंग से मचा हड़कंप, ठैठ के 75 जवानों समेत 78 लोग अस्पताल में हुए एडमिट। मणिपुर की राजधानी इफाल में गुरुवार को संदिग्ध फूड पॉइजनिंग के कारण सीमा सुरक्षा बल (ठैठ) के 75 जवानों समेत तीन अन्य लोग, जो अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी को उल्टी और मतली की शिकायत होने के बाद क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ट्यूई) में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बीएसएफ के जवानों और तीन नागरिकों को गुरुवार दोपहर करीब एक बजे अस्पताल लाया गया। बताया जा रहा है कि नाश्ता करने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी व मतली की समस्या होने लगी। ट्यूई के एक अधिकारी ने बताया कि सभी मरीजों को आपातकालीन विभाग में तत्काल उपचार दिया गया। फिलहाल, सभी की हालत स्थिर है। प्रारंभिक तौर पर उनके बीमार होने की वजह संदिग्ध फूड पॉइजनिंग मानी जा रही है। जबर्न वसूली के आरोप में दो उग्रवादी गिरफ्तार मणिपुर में सुरक्षा बलों ने जबर्न वसूली की गति। विधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस



के बयान के अनुसार, राज्य पुलिस कमांडों की टीम ने मंगलवार को इफाल परियम जिले के सिंगजामेई इलाके में अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (धम्फाई) के 39 वर्षीय सक्रिय सदस्य अहोंगशांग, बाम पिकूमणि सिंह को गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के

क्वाक्ता इलाके से प्रतिबंधित कांगल, पीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (कांगलेन) से जुड़े 60 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल हकीम को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, वह इलाके में जबर्न वसूली की गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल था। पुलिस ने बताया कि मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से सुरक्षा बल सभी जिलों में सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। इसके साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए गश्त भी की जा रही है। गौरतलब है कि मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जारी जातीय संघर्ष में 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने मणिपुर में हिंसा के फिर से भड़कने के मद्देनजर एफएसपीए के तहत 6 महीने के लिए 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया है।

बैथ ने गोवा एयरपोर्ट पर पकड़े ब्लूटूथ से परीक्षा में नकल करने वाले डिवाइस, दो यात्री भी दर्बाचें गएय जानें पूरा मामला

गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट डबोलिम में बीते शनिवार को बैथ के जवानों ने घरेलू उड़ान से जाने वाले 2 यात्रियों को पकड़ा। ये यात्री कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं में नकल करने के लिए इस्तेमाल होने वाले ब्लूटूथ डिवाइस छिपाकर ले जा रहे थे। बरामद सामान के साथ दोनों यात्रियों को लोकल पुलिस के हवाले कर दिया गया और उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। 13 इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और 2 सिम कार्ड पकड़े गए। बता दें कि शनिवार को दोपहर करीब 2:25 बजे, एक यात्री, जिसने एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट 6-1340 से गोवा से दिल्ली जाने के लिए बुकिंग कराई थी, ने ग्री-एम्बार्केशन सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर एक्स-रे स्क्रीनिंग के लिए अपना हैंडबैग रखा। तब बैथ के स्क्रीनर को एक्स-रे इमेज में कुछ संदिग्ध चीजें दिखीं। इसके बाद, बैथ जवान ने बैग की फिजिकल जांच के लिए आगे भेजा। फिर, तलाशी के दौरान 3 इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, 2 सिम कार्ड और 3 ब्लूटूथ ईयरपीस बरामद हुए, ये सभी डिवाइस थे जिनका इस्तेमाल कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं में नकल करने के लिए किया जाता है। एग्जाम का एडमिट कार्ड भी हुआ बरामद दरअसल, जब गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर



तैनात बैथ के जवानों ने यात्री से पूछताछ की, तो उसने माना कि ये डिवाइस एग्जाम में नकल करने के लिए थे। उसने यह भी बताया कि उसके साथ साफर कर रहा एक अन्य साथी उसी फ्लाइट में पहले ही सवार हो चुका था। फिर एयरलाइन स्टाफ की मदद से, बैथ कर्मियों ने उसके साथी यात्री को विमान से नीचे उतारा। उसके हैंडबैग की तलाशी लेने पर भी वैसे ही एक डिवाइस, दो ब्लूटूथ ईयरपीस, एक सिम कार्ड और उसी दिन हुई पकड़ गोवा नॉन-टीचिंग स्टाफ भर्ती परीक्षा में एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट पद का एक एडमिट कार्ड

मिला। उसने माना कि वह डिवाइस उसी परीक्षा में इस्तेमाल के लिए था। आरोपी ने कतूली दूसरे अन्यर्थी की जगह एग्जाम देने की बात इसके बाद संबंधित इंटेलिजेंस एजेंसियों के साथ दोनों आरोपियों से संयुक्त रूप से पूछताछ की गई। पहले आरोपी ने बताया कि वह किसी दूसरे उम्मीदवार की जगह उसी परीक्षा में शामिल हुआ था। इस दौरान, 2 अन्य व्यक्तियों के आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं, जिन्हें उसने सिक्योरिटी होल्ड एरिया में फेंक दिया था। पुलिस को सौंप गए बरामद हुए डॉक्यूमेंट्स दोनों यात्रियों और बरामद किए गए सभी डिवाइस और डॉक्यूमेंट्स को डबोलिम एयरपोर्ट थाने को सौंप दिया गया। एग्जाम सेंटर पॉइंट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए बाद में उन्हें वहां सौंप दिया गया। दोनों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है और लोकल पुलिस आगे की जांच कर रही है। यात्री के बैग की स्क्रीनिंग के दौरान हुई पकड़ बता दें कि बैथ देशभर के हवाई अड्डों पर एविएशन सिक्योरिटी के रूप में काम करती है। इस केस में,

महाराष्ट्र: डेढ़ अभ्यर्थियों का आंदोलन खत्म, छुट्टी पर भेजे गए अध्यक्ष भीमनवार



पुणे : महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (डिब्ल्यू) की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए राज्य सरकार ने एक समिति गठित कर दी है। वहीं इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच को लेकर अध्यक्ष विवेक भीमनवार को छुट्टी पर भेज दिया। इसी के साथ महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के अभ्यर्थियों ने अपना आंदोलन खत्म कर दिया। पेपर लीक कांड को लेकर महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डिब्ल्यू) के चेयरमैन विवेक भीमनवार के इस्तीफे की मांग को लेकर पुणे में स्टूडेंट्स पिछले 11 दिनों से प्रोटेस्ट कर रहे थे। आखिरकार विरोध सफल हो गया है। सरकार ने स्टूडेंट्स की सभी मांगें मान ली हैं। महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डिब्ल्यू) चेयरमैन विवेक भीमनवार पेपर लीक मामले की जांच पूरी होने तक पद पर नहीं रहेंगे। सरकार ने भीमनवार को ज़रूरी छुट्टी पर भेज दिया है। इस बीच मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले स्टूडेंट्स से बातचीत करने के लिए मीठे पर गए। उन्होंने एलान किया कि प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट्स को खिलाफ दर्ज केस वापस ले लिए जाएंगे। शिवेंद्रराजे ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डिब्ल्यू) मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एनसीपी (शरदचंद्र पवार गुट) के विधायक रोहित पवार की लीडरशिप में स्टूडेंट्स का प्रोटेस्ट पुणे के एस.एम. जोशी ब्रिज पर 11 दिनों से चल रहा था। अब यह सफल हो गया है। जैसा कि बताया गया है, भीमनवार जांच पूरी होने तक अपने रोल से हट जाएंगे, क्योंकि सरकार ने उन्हें कमप्लसरी छुट्टी पर भेज दिया है। इस डेवलपमेंट के बाद स्टूडेंट्स ने प्रिंसिपल ली प्रोटेस्ट सस्पेंड करने का फैसला किया। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डिब्ल्यू) कथित पेपर लीक केस की ज्यूडिशियल जांच की घोषणा की है। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में हमेशा एथिक्स को प्रायोरिटी दी है। इसलिए जब तक जांच चल रही है मैंने पद पर बने रहने के बजाय छुट्टी पर जाने का फैसला किया है। भीमनवार ने एक पोस्ट में कहा, 'महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डिब्ल्यू) की स्वायत्तता और विश्वसनीयता, साथ ही स्टूडेंट्स के हित, हमेशा से मेरी टॉप प्रायोरिटी रहे हैं और आगे भी रहेंगे। मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने एस.एम. जोशी ब्रिज पर जमा हुए प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट्स से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री उनकी मांगों पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (डिब्ल्यू) जांच कमेटी के सेक्रेटरी के तौर पर तेज-तर्रार ऑफिसर तुकाराम मुंडे को अपॉइंट करने के बारे में भी एक अहम घोषणा की। शिवेंद्रराजे ने सरकार का ब्रॉफ्ट प्रपोजल रोहित पवार को सौंपा, जिन्होंने इसे स्टूडेंट्स को पढ़कर सुनाया। लेकिन ब्रॉफ्ट में चेयरमैन विवेक भीमनवार के इस्तीफे का कोई जिक्र नहीं था। इसलिए रोहित पवार ने भीमनवार के इस्तीफे की मांग की। यह मांग खुद स्टूडेंट्स ने भी दोहराई। इसके बाद सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया। भीमनवार को जांच पूरी होने तक ज़रूरी छुट्टी पर भेज दिया गया है।

आरक्षित सीट को लेकर विवाद, मारपीट में शख्स की मौत, रिटायर्ड पौ अधिकारी और बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आरक्षित सीट पर बैठने को लेकर हुई मारपीट में एक यात्री की मौत हो गई। दिल्ली मेट्रो पुलिस ने इस मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी संजय प्रताप सिंह (65) व उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह (36) को गिरफ्तार किया है। मेट्रो पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है। दिल्ली मेट्रो पुलिस के डीसीपी की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक घटना 8 अक्टूबर की शाम करीब 5:47 बजे की है। सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर एक व्यक्ति के बेहोश होने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस को पता चला कि संबंधित व्यक्ति को उसकी मां के साथ लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को जानकारी मिली कि उसे मृत अवस्था में लाया गया था। चिकित्सक उसे मृत घोषित कर चुके हैं। मृतक की पहचान 48 वर्षीय पवन शर्मा के रूप में हुई। मंडी हाउस स्टेशन से ट्रेन में चढ़े थे आरोपी पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में सामने आया कि पवन शर्मा अपनी करीब 65 वर्षीय मां दुर्गा देवी के साथ यमुना विहार जा रहे थे। दोनों मेट्रो ट्रेन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निर्धारित सीटों पर बैठे थे। इसी दौरान मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन से संजय प्रताप सिंह और उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह मेट्रो में सवार हुए। पुलिस के अनुसार आरक्षित सीट को लेकर पवन शर्मा और दोनों आरोपियों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि कहासुनी बड़ने के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। ट्रेन के सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पहुंचने पर पवन शर्मा बेहोश हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मां के बयान पर दर्ज हुई प्राथमिकी दिल्ली मेट्रो पुलिस के मुताबिक मृतक की मां दुर्गा देवी के बयान के आधार पर 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट मेट्रो थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 3(5) लगाई गई है। धारा 105 गैर इरादतन हत्या से संबंधित है, जबकि धारा 3(5) साक्षात् गंश के तहत किए गए कृत्य से जुड़ी है। जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार संजय प्रताप सिंह वर्ष 1984 बैच के एजीएमयूटी कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं और नोएडा के सेक्टर-44 में रहते हैं। उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह दिल्ली में वकालत करते हैं और नोएडा के सेक्टर-60 के निवासी हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है। विवाद की परिस्थितियों और यात्री की मौत से जुड़े सभी पहलुओं



जंगली हाथियों के झुंड को दौड़ाकर पीटते दिखे युवक,



ओडिशा के बरगुन जिले से एक चित्ताजनक वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ युवक जंगली हाथियों के एक बड़े झुंड के पीछे दौड़ते और उन्हें मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस घटना ने एक बार फिर जंगलों के आसपास रहने वाले लोगों और जंगली जानवरों के बीच बढ़ते टकराव के मुद्दे को चर्चा में ला दिया है। जानकारी के अनुसार, हाथियों का यह झुंड करीब 25 हाथियों का था। बताया जा रहा है कि यह घटना चंपुआ वन क्षेत्र के अंतर्गत मंगलपुर गांव के पास हुई। हाथियों का झुंड पहले कसीपाल जंगल में मौजूद था। इसके बाद वह पास के आबादी वाले इलाके की ओर बढ़ने लगा। बताया जा रहा है कि हाथियों का झुंड जब गांव के पास सड़क की ओर पहुंचा, तो कुछ युवक जंगल के आसपास इकट्ठा हो गए। आरोप है कि उन्होंने हाथियों को वहां से भगाने के लिए लाठियों का इस्तेमाल किया और तेज आवाजें निकालकर उन्हें डराने की कोशिश की। इसी दौरान कुछ युवक हाथियों के पीछे दौड़ते और उन्हें मारते हुए दिखाई दिए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन्यजीव प्रेमियों और आम लोगों ने चिंता जताई है। हालांकि, वन विभाग की ओर से इस घटना पर की गई कार्रवाई या हाथियों को किसी तरह की चोट लगने की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। जंगली हाथियों के पास जाना या उन्हें डराकर भगाने की कोशिश करना लोगों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। जब हाथियों को लगता है कि उन्हें खतरा है, तो वे अचानक आक्रामक हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में आसपास मौजूद लोगों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। इसके अलावा, हाथियों को दौड़ाने, घेरने या मारने से वे घायल हो सकते हैं और उनका सामान्य रास्ता भी प्रभावित हो सकता है। खासकर जब झुंड में बड़ी संख्या में हाथी हों, तो उनके करीब जाने से बचना बेहद जरूरी है। आपको बता दें कि इससे पहले ओडिशा से अंगुल जिले में हाथी को भगाने गए वनकर्मी पर हाथी ने हमला कर दिया था। कर्मचारी ने किसी तरह पास के एक आम के पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाई। वन विभाग की ओर से लोगों को लगातार सलाह दी जाती है कि जंगली हाथियों के पास न जाएं, उनका पीछा न करें और उन्हें चारों तरफ से घेरने की कोशिश न करें। यदि हाथियों का झुंड गांव, सड़क या आबादी वाले इलाके के पास दिखाई देता है, तो लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखनी चाहिए और इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को देनी चाहिए। खुद लाठी, शोर या दूसरे तरीकों से हाथियों को भगाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। समय पर वन विभाग को सूचना मिलने से हाथियों पर नजर रखने और लोगों को सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

10 अक्टूबर को ब्रह्म चतुर्विंशती की अनुमति क्यों नहीं दी? दिल्ली के पुलिस कमिशनर ने 'ब' को बताया, जानें क्या कहा

दिल्ली के जंतर मंतर पर 10 अक्टूबर को ब्रह्म मार्च पर दिल्ली पुलिस कमिशनर अनुराग कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। ब्रह्म के 10 अक्टूबर को मार्च की अनुमति नहीं देने को फैसले का बचाव करते हुए पुलिस कमिशनर ने कहा है, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जान-माल की सुरक्षा के लिए ये कदम उठाना जरूरी था। पुलिस ने दावा किया है कि ब्रह्म के पुराने प्रदर्शनों में हिंसा, संपत्ति को नुकसान और लोगों के घायल होने की घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती थी।



जुलाई में हुए मार्च को लेकर पुलिस ने किया दावा पुलिस ने 20 जुलाई को छम्पू-न्ड पेपर लीक के मुद्दे पर निकाले गए ब्रह्म के 'चतुर्विंशती' मार्च को अनधिकृत, गैरकानूनी और अवैध बताया है और आरोप लगाया कि जुलाई के मार्च में गैरकानूनी जमावड़ा हुआ था और उस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले किए गए थे। पुलिस ने दावा किया, जुलाई में हुए इस विरोध प्रदर्शन में 240 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और कर्मचारी घायल हुए थे। पुलिस ने दावा की समर्थन में तस्वीरें, वीडियो और अन्य सामग्री का हवाला दिया। जून के प्रदर्शन को लेकर दिए गए आश्वासन का जिक्र पुलिस के मुताबिक, ब्रह्म ने जून में हुए प्रदर्शन के लिए लिखित आश्वासन दिया था और आश्वासन था कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा और इसमें 1,000 से ज्यादा लोग शामिल नहीं होंगे। बिना पूर्व अनुमति संसद की ओर मार्च नहीं निकालने की भी दी गई थी सहमति, बाद में आश्वासन और निर्धारित शर्तों का उल्लंघन किया गया। पुलिस ने कोर्ट में दिए गए हलफनामे में 20 जुलाई के कथित अनधिकृत मार्च को 10 अक्टूबर को अनुमति नहीं देने का बताया आधार और 6, 7 और 8 अक्टूबर के प्रदर्शनों का भी हवाला दिया। पुलिस ने बताया-मार्च की वजह से लोगों को परेशानी हुई पुलिस के मुताबिक, 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक मार्च निकाला गया था, 7 अक्टूबर को जनपथ से जंतर-मंतर तक मार्च हुआ, 8 अक्टूबर को कर्नाट प्लेस के आउटर सर्कल से राजघाट की ओर प्रदर्शन किया गया। पुलिस प्रदर्शनों के कारण सेंट्रल दिल्ली में घंटों यातायात बाधित रहा। छात्रों और दूसरे यात्रियों को परेशानी हुई, कुछ लोग ट्रेन और फ्लाइट तक नहीं पकड़ सके। पुलिस ने आरोप लगाया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया। महिला पुलिस अधिकारियों के साथ बदसलूकी की, इन प्रदर्शनों में एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। 10 अक्टूबर के मार्च को लेकर पुलिस की आशंका पुलिस कमिशनर ने बताया, जुलाई की घटना और

मां ने दो लाख रुपये में बेच दिया 45 दिन का बच्चा'य डॉक्टर दंपती समेत पांच आरोपी गिरफ्तार, कासगंज पुलिस का खुलासा

कासगंज : सोरो थाना क्षेत्र में बस स्टैंड से डेढ़ माह के मासूम के गायब होने के मामले में पुलिस ने चौकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में मासूम की मां, डॉक्टर दंपती समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस का दावा है कि जांच में बच्चे को दो लाख रुपये में बेचने का मामला सामने आया है। क्षेत्राधिकारी आंचल चौहान ने बताया कि सोरो थाना अंतर्गत एक महिला द्वारा सूचना दी गई कि वह अपने 45 दिन के बच्चे को लेकर दवाई दिलाने के लिए जा रही थी इसी बीच वह शौचालय गई थी। इस दौरान उसने अपने बच्चे को एक अन्य महिला को दे दिया था। सूचना दी गई थी कि जब वह वापस आई तो महिला बच्चे को लेकर गायब हो गई थी। सूचना प्राप्त होते ही क्योंकि यह छोटे बच्चे के गायब होने से जुड़ा मामला था, विभिन्न प्रकार की टीमें सर्वािलांस, एसओजी टीमें गठित की गई थीं। टीमों की ओर से बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए प्रयास किया गया उन्होंने बताया कि जानकारी प्राप्त हुई कि महिला द्वारा एक क्लीनिक चलाने वाले डॉक्टर दंपती के साथ मिलकर निसंतान दंपती को अपने बच्चे को करीब दो लाख रुपये में बेच दिया गया था। उन्होंने बताया कि पुछताछ पता चला कि 1 लाख 20 हजार रुपये महिला के एकाउंट में आये, जबकि 10 हजार रुपये नकद दिए गए और 70 हजार रुपये डॉक्टर दंपती ने स्वयं के वैधानिक कार्रवाई थाना सोरो में कराई जा रही है उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर को चंदपुरा गजपुरा कट के पास बने यात्री प्रतीक्षालय से बच्चे की मां, लिये रख लिये उन्होंने बताया कि बच्चे की पिता की ओर



से दी गई तहरीर के आधार पर थाना सोरो क्षेत्र में मुकदमा पंजीकृत किया गया, साथ ही 24 घंटे से कम में बच्चे को सकुशल बरामद करते हुए इसमें सभी पांच अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर ली गई, साथ ही जो पैसा उसकी खरीद फरोख्त में इस्तेमाल हुआ था उसमें से 80 हजार रुपये पुलिस द्वारा बरामद कर लिये गये, उन्होंने बताया कि अन्य राशि महिला के एकाउंट का पता कराते हुए उसमें प्रीज करा दी गई है। इस मामले में आवश्यक

वैधानिक कार्रवाई थाना सोरो में कराई जा रही है, उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर को चंदपुरा गजपुरा कट के पास बनराशि महिला के एकाउंट का पता कराते हुए उसमें यात्री प्रतीक्षालय से बच्चे की मां, डॉक्टर अरुण कुमार, उसकी पत्नी, महिपाल और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया है, पुलिस ने मासूम को सकुशल बरामद करने के साथ खरीद-फरोख्त से जुड़े 80 हजार रुपये भी बरामद किए हैं।

प्रयागराज में बंद स्ट्रीट लाइटों ने बढ़ाई छात्राओं की मुसीबत, गलियों में बना रहता है छिनैती का खौफ

प्रयागराज : इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर और कटरा-अल्लापुर जैसे प्रमुख छात्र बहुल इलाकों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों, विशेषकर छात्राओं के लिए शाम के बाद सड़कों पर निकलना जोखिम भरा हो गया है। शाम के 7 बजते ही मार्गों और गलियों में स्ट्रीट लाइटें गुल हो जाती हैं, जिससे चारों ओर अंधेरा छा जाता है। अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व मोबाइल और पर्स छिनैती जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ईटीवी भारत द्वारा किए गए राउंड सेंपटी ऑडिट में सामने आया कि मुख्य चौराहों पर पुलिस गश्त के दावे तो करता है, लेकिन हॉस्टल और पीजी की ओर जाने वाली अंदरूनी सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से नदारद होती है, लक्ष्मी टीकीज से बैंक रोड और विश्वविद्यालय से सटे मार्गों पर कई स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र अर्पित धनगर ने बताया कि शाम 7 बजे के बाद जब छात्र-छात्राएं फोन पर बात करते हुए या साइकिल से निकलते हैं, तो अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाश मोबाइल छीनकर भाग जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त रहें और नियमित रूप से जलती रहें, तो इन वारदातों पर काफी हद तक लगाम लग सकती है। टीचिंग भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही कल्पना देवी और मास्टर्स की छात्रा पारुल मिश्रा ने बताया कि अंधेरा होने के बाद वे इस रास्ते पर बिल्कुल सुरक्षित महसूस नहीं करतीं, पारुल के मुताबिक, अंधेरी गलियों में अकेले निकलना बेहद मुश्किल होता है, इसलिए मजबूरी में किसी न किसी को साथ लेकर ही बाहर जाना पड़ता है, वहीं, पीजी की छात्रा अदिति यादव ने प्रमुख चौराहों पर पुलिस की मौजूदगी दिखती है, अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि वे शाम के बाद अकेले निकलने की हिम्मत ही नहीं करतीं, उन्होंने यह भी खुलासा किया कि इस अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व नशीले पदार्थों (ड्रग्स) के अवैध इस्तेमाल जैसी गतिविधियों में भी लिप्त दिखते हैं, जिससे छात्राओं में भय और अधिक बढ़ जाता है।



सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही और पीजी में रहने वाली निधि ने बताया कि कैंपस के ठीक बाहर की सड़कों पर सुरक्षा का अभाव बेहद चिंताजनक है। निधि ने कहा कि वे खुद भी मोबाइल छिनैती की शिकार हो चुकी हैं। उनके अनुसार, कई लड़कियों के साथ इस तरह की घटनाएं भी सामने आती हैं। लगातार हो रही इन वारदातों के बावजूद अभी तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। डे प्लान और राउंड रिपोर्ट के अनुसार, शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस गश्त है और न ही पिक वृथ सक्रिय भूमिका में नजर आ रहा है, पड़ाई के सिलसिले में देर शाम लाइब्रेरी या कोथिंग से लौटने वाले छात्र-छात्राओं ने प्रशासन से मांग की है कि बंद स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त किया जाए और इन मार्गों पर नियमित पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए।

होने के कारण राह चलते असामाजिक तत्वों द्वारा फटियां कसने और अनुचित व्यवहार की घटनाएं भी सामने आती हैं। लगातार हो रही इन वारदातों के बावजूद अभी तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। डे प्लान और राउंड रिपोर्ट के अनुसार, शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस की मौजूदगी दिखती है, लेकिन कटरा, अल्लापुर और हॉस्टलों की आंतरिक गलियों में न तो कोई प्रभावी गश्त है और न ही पिक वृथ सक्रिय भूमिका में नजर आ रहा है, पड़ाई के सिलसिले में देर शाम लाइब्रेरी या कोथिंग से लौटने वाले छात्र-छात्राओं ने प्रशासन से मांग की है कि बंद स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त किया जाए और इन मार्गों पर नियमित पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए।

लखनऊ में सीईसी ज्ञानेश कुमार के समर्थन [टटच का प्रदर्शन, अभिजीत दिपके, ध्रुव राठी और नेहा बोरा को बताया देश के खिलाफ

लखनऊ : सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली सहित देशभर में हो रहे प्रदर्शन के खिलाफ [टटच रिवार को लखनऊ में सड़क पर उतरी, कॉकरोच जनता पार्टी और [टट सहित विभिन्न संगठनों के प्रदर्शनों और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को गैरकानूनी बताया। संगठन ने बताया कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहा अराजक हमला गलत है, यह लोकतांत्रिक मूल्यों को खिलाफ है, इन्हीं मुद्दों को लेकर एबीवीपी ने "अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ" अभियान के अंतर्गत "छात्र हुंकार" विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है। लखनऊ यूनिवर्सिटी के गेट नंबर- 3 पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ता जमा हुए, इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'लोकतांत्रिक संस्थानों पर हमला नहीं सहेंगे' 'कॉकरोच पार्टी मुर्दाबाद' का नारा लगाया, साथ ही



छात्रों का कहना रहा कि नेहा बोरा, अभिजीत दिपके और ध्रुव राठी देश के खिलाफ हैं। [टटच के सामने नेहा बोरा धूल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी आर्यन कुशवाहा ने कहा कि, आज हम उन ताकतों के विरोध में जमा हुए हैं, राष्ट्रवाद के खिलाफ नारा लगाने वाले, रिज्यूम चेंज करने की बात करने वाले और बांग्लादेश का उदाहरण देने वाले संगठनों को जवाब देने के लिए एकत्र हुए हैं। दिल्ली में जितने संगठन और लोग जमा हुए वह राष्ट्र के विरोध में खड़े थे, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सामने नेहा बोरा धूल हैं, विद्यार्थी परिषद एक आधी है, यह सब मौसमी मंदक हैं, हमारे सामने टिक नहीं पाएंगे, ध्रुव राठी को रखा देश को बदनामप्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आज राष्ट्रवादी छात्र आक्रोशित हैं, दिल्ली के जंतर-मंतर पर हमने देखा कि अभिजीत दिपके, ध्रुव राठी और

छह महीने तक के शिशुओं के फूड को लेकर है।ए सख्त, पोषण उत्पादों में ऐडेड शुगर और फ्रुक्टोज मिलाने पर प्रतिबंध का प्रस्ताव



भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने छह महीने तक के शिशुओं के लिए बनाए जाने वाले पोषण उत्पादों में सुक्रोज और फ्रुक्टोज मिलाने पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य पोषण मानकों को मजबूत करना और शिशुओं को शुरुआती उम्र में ही ऐडेड शुगर के संपर्क में आने से बचाना है। यह प्रस्ताव खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) संशोधन विनियम, 2026 के मसौदे का हिस्सा है, जिसे 16 अक्टूबर को भारत के गजट ऑफ इंडिया में प्रकाशित किया गया था। इस संशोधन का उद्देश्य मौजूदा नियामक ढांचे को मजबूत करना है। इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शिशुओं के पोषण संबंधी उत्पाद उनकी उम्र के हिसाब से जरूरी पोषक तत्वों की आवश्यकताओं को पूरा करें, खासकर जीवन के पहले छह महीनों के दौरान। खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) विनियम, 2020 के अंतर्गत, जन्म से लेकर 24 महीने तक के बच्चों के लिए बनाए गए विभिन्न प्रकार के शिशु खाद्य उत्पादों के लिए पोषण संरचना, गुणवत्ता और सुरक्षा मानक निर्धारित किए गए हैं। 16 महीने तक के

बच्चों के लिए बने उत्पादों पर बैन मौजूदा नियमों में लैक्टोज और ग्लूकोज पॉलिमर को कार्बोहाइड्रेट के पसंदीदा स्रोत के रूप में पहचाना गया है, जबकि जरूरत पड़ने पर सुक्रोज और फ्रुक्टोज को भी कार्बोहाइड्रेट के स्रोत के तौर पर, एक तय सीमा के भीतर, मिलाने की अनुमति दी गई है। प्रस्तावित संशोधन में छह महीने तक की उम्र के शिशुओं के लिए बने उत्पादों पर एक विशेष प्रतिबंध लगाया गया है।

क्यों लगाया जा रहा है प्रतिबंध

1.ए के अनुसार, जीवन के पहले छह महीने स्वस्थ विकास और ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए इस दौरान सही पोषण मिलना जरूरी है। प्रस्तावित प्रतिबंध का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिशुओं के पोषण उत्पादों में बिना किसी अनावश्यक अतिरिक्त शर्करा के, सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हों। इस उपाय का उद्देश्य उन जन-स्वास्थ्य चिंताओं को दूर करना भी है जो कम उम्र में ऐडेड शुगर के सेवन से जुड़ी हैं। इनमें बचपन के मोटापे और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार आहार संबंधी जोखिम कारक भी शामिल हैं। यह पहल सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी उन

स्थापित सिफारिशों के अनुरूप है, जो जीवन के पहले छह महीनों के दौरान केवल स्तनपान कराने की वकालत करती हैं। 180 दिनों के भीतर आपत्तियां और सुझाव दें हितधारक

पोषण संबंधी मानकों को सख्त बनाकर, 1.ए का उद्देश्य निर्माताओं को ऐसे फॉर्मूलेशन तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जो छोटे शिशुओं की पोषण संबंधी जरूरतों को प्राथमिकता दें और साथ ही खान-पान के उचित तरीकों को बढ़ावा दें। प्रस्तावित संशोधन में खाद्य नियामक का विज्ञान-आधारित मानक, जिम्मेदार उत्पाद निर्माण और निवारक पोषण पर जोर भी दिखाई देता है, जो बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। मसौदा अधिसूचना को सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी कर दिया गया है। इसमें हितधारकों को आमंत्रित किया गया है कि वे ऑफिशियल गजट अधिसूचना के सार्वजनिक होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियां और सुझाव प्रस्तुत करें। 1.ए प्रस्तावित संशोधन को अंतिम रूप देने से पहले, परामर्श अवधि के दौरान प्राप्त सुझावों और आपत्तियों की जांच करेगा।

क्या आप भी फैटी लिवर डिजीज से हैं परेशान? तो इसे नेचुरली कंट्रोल में रखने के लिए ये चीजें खाएं



डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की तरह ही, आजकल फैटी लिवर की बीमारी पर भी काफी चर्चा हो रही है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुस्त जीवनशैली, खान-पान की आदतें, मोटापा और बहुत ज्यादा शराब पीना इस बीमारी के मुख्य कारण हैं। इस बीमारी का सही समय इलाज न होने पर लिवर को काफी नुकसान पहुंच सकता है। फैटी लिवर की बीमारी को कंट्रोल करने में खान-पान की अहम भूमिका होती है। ऐसे में आइए इस खबर में जानते हैं कि लिवर को स्वस्थ रखने और इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए किस तरह का खाना खाना चाहिए... लहसुन: जानकारों का कहना है कि यह लिवर में फैट जमा होने से रोकता है। साइसडाइरेक्ट के अनुसार, रोजाना थोड़ी मात्रा में कच्चा लहसुन खाने या इसे खाने में शामिल करने से लिवर की सेहत अच्छी रहती है। लहसुन में

पाया जाने वाला 'एलिसिन' नाम का तत्व लिवर का फैट कम करने में मदद करता है। टोफू: यह पौधों से मिलने वाला प्रोटीन है, जानकारों का कहना है कि इसमें फैट कम होता है और यह इसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने में मददगार माना जाता है। टोफू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर की सूजन को कम करने और सेल्स को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। कॉफी: कई स्टडीज से पता चला है कि कॉफी पीने से लिवर एंजाइम का लेवल कम होता है और सूजन भी घटती है। जानकारों का कहना है कि कॉफी में मौजूद कंपीन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ता है, रोजाना दो से तीन कप कॉफी पीने से लिवर फाइब्रोसिस और सिरोसिस का खतरा कम हो सकता है। नेशनल लाइवरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, रोजाना दो कप कॉफी पीने से लिवर कैंसर का खतरा

43 फीसदी तक कम हो सकता है।

श्रीन टी: जानकारों का कहना है कि इसमें 'कैटेचिन' (वजमबीपद) नाम के शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, ये न सिर्फ लिवर की चर्बी कम करते हैं, बल्कि अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों की वजह से सूजन भी कम करते हैं। मायो विलनिक के अनुसार, ब्लैक कॉफी, श्रीन टी और अखरोट में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण लिवर की चर्बी कम करने में मदद करते हैं।

क्रूसिफेरस सब्जियां: ब्रोकली, फूलगोभी और पत्तागोभी जैसी सब्जियां लिवर में डिटॉक्स करने वाले एंजाइम को सक्रिय करती हैं। इनमें मौजूद प्राकृतिक कंपाउंड और एंटीऑक्सीडेंट लिवर की कोशिकाओं की रक्षा करते हैं।

अखरोट: इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। जानकारों का कहना है कि नियमित रूप से अखरोट खाने से फैटी लिवर की समस्या कम हो सकती है। साथ ही, ये लिवर एंजाइम के काम को बेहतर बनाने में भी मदद करते हैं।

एवोकाडो: इस फल में ग्लूटाथियोन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है, जानकारों के मुताबिक, यह लिवर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। एवोकाडो में पाए जाने वाले विटामिन E और B के साथ-साथ ओलिक एसिड भी लिवर की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं।

बेरीज: जानकारों का कहना है कि ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, ये लिवर की सूजन कम करने और सेल्स की मरम्मत में मदद करते हैं।

मंगल के चंद्रमा से मिट्टी लाएगा जापान, क्या है डड



* मिशन? जानिए क्या खुलेगा राज जापान अपनी तकनीकी क्षमताओं से पूरी दुनिया को समय-समय पर अचंभे में डाल देता है। इस जापान अंतरिक्ष के क्षेत्र में इतिहास रचने की तैयारी कर रहा है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) मंगल ग्रह के चंद्रमा फोबोस से मिट्टी के सैंपल्स लाने के लिए अपना महत्वाकांक्षी मिशन लॉन्च करने जा रही है। यह विश्व का पहला ऐसा मिशन होगा जिसके तहत मंगल के किसी चंद्रमा की मिट्टी के सैंपल धरती पर लाए जाएंगे। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इन नमूनों से मंगल के इतिहास, चंद्रमाओं के निर्माण और सौरमंडल में जीवन की उत्पत्ति से जुड़े सवालों को समझने में मदद मिलेगी। यह मिशन भविष्य में मंगल पर मानव अभियान की संभावनाओं के लिहाज से भी अहम है।

क्या है जापान का डड मिशन?

डड मिशन का पूरा नाम मार्टियन मूनस एक्सप्लोरेशन (डेटजपंद डववेद मंगसवतजपवद) है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) इस मिशन को संचालित कर रही है। इसके तहत एक अंतरिक्ष यान मंगल के चंद्रमा फोबोस तक जाएगा और वहां की सतह की अध्ययन करेगा। साथ ही लैंडर वक्त मिट्टी के सैंपल अपने साथ लेकर धरती पर वापस आएगा। प्लानिंग के मुताबिक जापान अंतरिक्ष यान को एच-3 रॉकेट के जरिए लॉन्च करेगा। यह यान अगस्त 2027 के आसपास मंगल क्षेत्र में पहुंचेगा और 2031 तक धरती पर वापस लौटने की उम्मीद है। मंगल के किसी चंद्रमा से मिट्टी लेकर वापस लौटने का यह दुनिया का पहला मिशन होगा। इस मिशन में फ्रांस और जर्मनी का संयुक्त रूप से विकसित इडेफिक्स रोवर भी शामिल है। इसके अलावा अमेरिका और यूरोप की अंतरिक्ष एजेंसियां उपकरणों तथा संचार व्यवस्था में सहयोग कर रही हैं। मंगल के दो चंद्रमा कौन-कौन?

मंगल के दो चंद्रमा कौन-कौन? डीडोस मंगल से अपेक्षाकृत दूर है। वैज्ञानिकों के लिए दोनों चंद्रमाओं की उत्पत्ति अब भी एक पहेली के समान है। यही कारण है कि इनकी डीडोस दरअसल क्षुद्रग्रह हो सकते हैं, जो सौरमंडल के किसी दूसरे हिस्से से मंगल के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में आकर उसकी परिक्रमा करने लगे। फोबोस से मिट्टी के सैंपल्स का विश्लेषण करके वैज्ञानिक इन दोनों संभावनाओं की जांच कर सकेंगे। इससे यह भी समझने में मदद मिल सकती है कि मंगल के आसपास के क्षेत्र का निर्माण और विकास कैसे हुआ। मंगल के चंद्रमा से मिट्टी लाएगा जापान, क्या है डड

मंगल के चंद्रमा से मिट्टी लाएगा जापान, क्या है डड

के चंद्रमा से कम से कम 10 ग्राम मिट्टी इकट्ठा करना है। इसके लिए दो अलग-अलग तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। पहली तकनीक के तहत अमेरिकी उपकरण दबाव वाली गैस की मदद से सतह की धूल को एक कंटेनर में पहुंचाएगा। वहीं दूसरी तकनीक के तहत जापानी उपकरण मिट्टी में करीब दो सेंटीमीटर तक प्रवेश करके नमूने इकट्ठा करेगा। नमूनों को एक विशेष कैप्सूल में सुरक्षित रखा जाएगा। पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करते समय पैदा होने वाली गर्मी से बचाने के लिए इसे खास तौर पर डिजाइन किया गया है। योजना के मुताबिक ये कैप्सूल वापसी में ऑस्ट्रेलिया में उतरने उसके बाद सैम्पल्स को जापान ले जाया जाएगा।

फोबोस पर उतरना मुश्किल क्यों? दरअसल, मंगल के चंद्रमा फोबोस पर गुरुत्वाकर्षण धरती के मुकाबले लगभग 2,000 गुना कम है। इतनी कम गुरुत्वाकर्षण वाली सतह पर उतरना आसान नहीं है। अंतरिक्ष यान को उतरते समय अस्थिर होने से बचना होगा। इसके लिए डड के लैंडिंग मॉड्यूल में झटके सहने वाले चार पैरों वाला सिस्टम लगाया गया है। रोवर को भी कम गुरुत्वाकर्षण में चलने और पलट जाने पर खुद को सीधा करने के लिए डिजाइन किया गया है। क्यों अहम है यह अभियान? बता दें कि अमेरिका, चीन और अन्य देश भविष्य में मंगल पर मानव मिशन भेजने की संभावनाओं पर काम कर रहे हैं। ऐसे में मंगल के चंद्रमा का अध्ययन वैज्ञानिक और व्यावहारिक, दोनों लिहाज से काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। वैज्ञानिक यह भी समझना चाहते हैं कि क्या मंगल के किसी मिट्टी और संरचना का अध्ययन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रहस्य बने हुए हैं मंगल के डववद

1960 के दशक से मंगल ग्रह पर दर्जनों मिशन भेजे गए हैं, लेकिन इसके चांद ज्यादातर एक रहस्य ही बने हुए हैं। फोबोस और डीडोस के नाम ग्रीक पौराणिक कथाओं में डर और आतम मंगल के चंद्रमा से मिट्टी लाएगा जापान, क्या है डड

मंगल के चंद्रमा से मिट्टी लाएगा जापान, क्या है डड

डीडोस बने कैसे? मंगल के चंद्रमा से मिट्टी लाएगा जापान, क्या है डड

मंगल के चंद्रमा से मिट्टी लाएगा जापान, क्या है डड

नींद में बड़बड़ाना, सिर्फ एक आम आदत या किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत?



नींद में बोलना या बड़बड़ाना एक आम समस्या है, जिसे मेडिकल भाषा में 'सोमनिलोकी' कहा जाता है। इसमें व्यक्ति सोते समय कुछ शब्द बोल सकता है, अधूरे वाक्य कह सकता है या कभी-कभी जोर से चिल्ला भी सकता है। अक्सर व्यक्ति को सुबह उठने पर याद नहीं रहता कि उसने रात में क्या कहा था। आमतौर पर यह समस्या गंभीर नहीं होती, लेकिन यदि यह बार-बार हो या इसके साथ अन्य लक्षण दिखाई दें, तो इस पर ध्यान देना जरूरी है। डॉ. समीर भार्गव, मनोचिकित्सक, श्वेत गुरुग्राम बता रहे कि ये नॉर्मल है या किसी बीमारी का संकेत। नींद में बड़बड़ाने के क्या कारण हो सकते हैं?

साइकोट्रिस्ट के अनुसार, नींद में बड़बड़ाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव, चिंता, नींद की कमी और अनियमित डेली रूटीन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। जब व्यक्ति अधिक तनाव में होता है या किसी बात को लेकर लगातार सोचता रहता है, तो उसकी नींद प्रभावित हो सकती है। इसका असर कभी-कभी नींद के दौरान बोलने के रूप में भी दिखाई देता है। इसके अलावा, बुखार, कुछ दवाओं का

असर, शराब का सेवन और नींद से जुड़ी अन्य समस्याएं भी इसका कारण बन सकती हैं। बच्चों में नींद के दौरान बड़बड़ाना सामान्य है और उम्र बढ़ने के साथ यह कम भी हो सकता है। क्या यह किसी मानसिक बीमारी का संकेत है? नींद में बड़बड़ाने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति किसी मानसिक बीमारी से पीड़ित है। हालांकि, यदि इसके साथ लगातार चिंता, उदासी, चिड़चिड़ापन, उर या व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दें, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना सही है। कुछ मामलों में नींद में बोलना अन्य नींद संबंधी विकारों के साथ भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि व्यक्ति सोते समय चिल्लाता है, हाथ-पैर चलता है, डरकर उठ जाता है या अपने सपनों के अनुसार शारीरिक गतिविधियाँ करता है, तो इसकी जाँच जरूरी हो सकती है। इसके अलावा, यदि खराबों के साथ सोना रुकने जैसी समस्या हो, तो स्लैनिगमित रखना जरूरी है। वयस्कों को आमतौर पर प्रतिदिन सात से नौ घंटे की नींद लेनी चाहिए। सोने से पहले मोबाइल फोन का इस्तेमाल कम करना, कैफीन का सेवन सीमित मात्रा

में करना और तनाव कम करने के लिए ध्यान या गहरी सांस लेने जैसे अभ्यास करना भी मददगार हो सकता है। डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए? यदि नींद में बड़बड़ाने की समस्या अचानक शुरू हो, बार-बार होने लगे, नींद की गुणवत्ता प्रभावित करे या इसके साथ चिल्लाना, हिंसक गति, विधियाँ, चोट लगना अथवा दिन में अत्यधिक नींद आना जैसे लक्षण हों, तो डॉक्टर से संपर्क करें। जरूरत पड़ने पर साइकोट्रिस्ट या नींद संबंधी विकारों के विशेषज्ञ आगे की जाँच की सलाह दे सकते हैं। नींद में बड़बड़ाना हमेशा किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। सही दिनचर्या, पर्याप्त नींद और तनाव पर नियंत्रण से इसमें सुधार हो 'प एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए। नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें? इस समस्या को कम करने के लिए योजना पर्याप्त नींद लेना और सोने-जागने का समय 'प एपनिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए। नींद में बड़बड़ाने से बचने के लिए क्या करें? इस समस्या को कम करने के लिए योजना पर्याप्त नींद लेना और सोने-जागने का समय करना, कैफीन का सेवन सीमित मात्रा

भारतीयों के लिए सही हेल्थ इश्योरेंस प्लान कैसे चुनें?



आज का जमाना लाइफस्टाइल डिस्टॉर्ड का है। आजकल ज्यादा देर तक बैठे रहने से स्पाइन प्रॉब्लम, या हार्ट डिजीज का खतरा होने लगा है। नींद की कमी से डिप्रेशन, हार्मोनल इम्बैलेंस और इम्युनिटी कमजोर होने लगी है। स्वास्थ्य को बचाने के लिए जेब पर बोझ बढ़ता जाता है। इसलिए इश्योरेंस जरूरी है ताकि अस्पताल के खर्च आपके बाकी जरूरतों पर भारी ना पड़ जाए। हेल्थ इश्योरेंस क्या है? एक हेल्थ इश्योरेंस पॉलिसी ऐसा सुरक्षा कवच है जो आपके और आपके परिवार के मेडिकल खर्चों को कवर करता है। जब कभी किसी दुर्घटना या बीमारी के कारण आपको अस्पताल में भर्ती होना पड़े तो उसके इलाज में लगने वाले खर्च को बीमा कंपनी उठाती है। इसमें हॉस्पिटलाइजेशन, सर्जरी, दवाइयों, डॉक्टर की फीस, टेस्ट और डे-केयर ट्रीटमेंट जैसे खर्च शामिल होते हैं। हेल्थ इश्योरेंस का महत्व जब स्वास्थ्य अच्छा होता है तब हेल्थ इश्योरेंस की जरूरत महसूस नहीं होती। लेकिन हेल्थ पर बढ़ती उम्र और बदलती लाइफस्टाइल का असर काफी देर बाद नजर आता है। इसलिए इश्योरेंस लीजिए क्योंकि— बड़े खर्च— हर साल हेल्थकेयर महंगा होते जा रहा है। बढ़ती टेक्नॉलजी, महंगी दवाइयों, प्राइवेट हॉस्पिटल के खर्च, डॉक्टर की फीस, टेस्ट्स,

एम्बुलेंस ये सभी जेब पर भारी पड़ने वाले हैं। इश्योरेंस ना होने पर आपकी फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ सकती है। लाइफस्टाइल डिजीज— शराब नहीं पीने वाले को भी कैंसर जैसी बीमारी होने लगी है। इसका मतलब बीमा रियाँ किसी को भी हो सकती है क्योंकि ये सभी खराब जीवनशैली का नतीजा है। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, चूँ, ये सभी सदी—जुकाम की तरह कॉमन होते जा रहे हैं। इनका इलाज काफी लंबा और महंगा होता है। इश्योरेंस ना होने पर आपको 1 लंबे समायी तक इनका खर्च उठाना पड़ेगा। टैक्स बेनेफिट— हेल्थ इश्योरेंस लेने पर आपको टैक्स में भी राहत मिलती है। इनकम टैक्स ऐक्ट, 1961 की धारा 80B के तहत आप प्रीमियम पर ₹25,000 तक की छूट का फायदा ले सकते हैं। भारत में हेल्थ इश्योरेंस की प्रकाशभारत में हेल्थ इश्योरेंस की कई पॉलिसी उपलब्ध हैं। उसके मुख्य प्रकार हैं—इंडिविजुअल & व्यक्तिगत पॉलिसी—ये पॉलिसी सिर्फ एक व्यक्ति को कवर करता है। इस प्रकार की हेल्थ इश्योरेंस पॉलिसी आपके अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी, रुम रेंट, डे-केयर प्रक्रियाओं और अन्य मेडिकल खर्चों को कवर करती है। फॅमिली फ्लोटोर प्लान— इस पॉलिसी में पूरा परिवार कवर होता है। इस पॉलिसी की राशि पूरे परिवार के लिए इस्तेमाल होती है।

सीनियर सिटिजन प्लान— यह 60 वर्ष के ऊपर के लोगों के लिए खास प्लान है। सीनियर सिटिजन हेल्थ इश्योरेंस प्लान में वरिष्ठ नागरिकों की लगभग सभी जरूरतों को कवर किया जाता है। क्रिटिकल इलनेस इश्योरेंस— कैंसर, हार्ट अटैक, किडनी फेल्योर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए ये प्लान है। मटर्निटी हेल्थ इश्योरेंस— ये अक्सर राइडर के तौर पर लिया जाता है। इसमें गर्भावस्था से जुड़े सभी खर्च कवर किए जाते हैं। ग्रुप इश्योरेंस प्लान— ये इश्योरेंस कोई एम्प्लॉयर या ऑर्गनाइजेशन अपने कर्मचारियों के लिए लेते हैं। इसमें एक ही प्लान में सभी लोग कवर किए जाते हैं। टॉप—अप और सुपर टॉप—अप प्लान—ये प्लान बेसिक हेल्थ इश्योरेंस से ज्यादा कवरेज देता है। इसका प्रीमियम बेसिक हेल्थ प्लान से ज्यादा होता है। सही हेल्थ इश्योरेंस पॉलिसी कैसे चुनें? सही हेल्थ इश्योरेंस चुनना एक अहम फैसला है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आपको इलाज के लिए किसी की जरूरत पड़ेगी यही पॉलिसी आपके काम आने वाली है। सही पॉलिसी चुनने के लिए इन बातों पर ध्यान दें। कवरेज राशि— आप किस शहर में रहते हैं, कितना खर्च आ सकता है, पूरे परिवार की जरूरत, ये सब देखते हुए कवरेज राशि चुनें।

जॉइंट-फ्रेंडली इंडियन प्लेट कैसी दिखती है? जानें क्या कहते हैं डाइटीशियन

घुटनों में अकड़न, कूल्हों में दर्द और उगलियों में परेशानी को अक्सर बढ़ती उम्र का एक सामान्य हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। हालांकि, विशेषज्ञ इन लक्षणों को अनदेखा न करने की सलाह देते हैं, क्योंकि ये आर्थराइटिस या ऑस्टियोआर्थराइटिस के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। कई लोग, जब उन्हें पता चलता है कि उन्हें आर्थराइटिस है, तो वे अपने खान-पान में बदलाव करके इसे नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि केवल खान-पान में बदलाव से आर्थराइटिस ठीक नहीं हो सकता, और न ही यह मेडिकल इलाज की जगह ले सकता है। सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में न्यूट्रिशन और डाइटेटिक्स विभाग की प्रमुख, डॉ. आइलीन कैंडी बताती हैं कि एक संतुलित भारतीय आहार फिर भी फायदेमंद हो सकता है, संतुलित भारतीय डाइट शरीर का वजन सही बनाए रखने, मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत रखने, और शरीर में सूजन या इन्फ्लेमेशन को कम करने में मदद करता है, क्योंकि सूजन जोड़ों के दर्द को और बढ़ा सकती है। अच्छी बात यह है कि जोड़ों की सेहत के लिए मददगार आहार में किसी बहुत ही खास या दुर्लभ चीज की जरूरत नहीं होती है। इसमें आसानी से मिलने वाले रोजमर्रा के भारतीय खाद्य पदार्थ शामिल हो सकते हैं, जैसे कि—रंग-बिरंगी सब्जियाँ शामिल करें— अपनी थाली का आधा हिस्सा रंग-बिरंगी सब्जियों से भरें, जैसे कि पालक, मेथी, गाजर, चुकंदर, कद्दू, शिमला मिर्च और टमाटर। इनमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन C और



कैरोटीनॉयड होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करते हैं। कार्टिलेज का मुख्य हिस्सा कोलेजन होता है, जिसे बनने के लिए विटामिन C की जरूरत होती है, जोड़ों की सेहत के लिए अपने आहार में आंवला, अमरुद, खट्टे फल और बेरीज जैसे मौसमी फलों को शामिल करें। रिफाईंड अनाज की जगह साबुत अनाज चुनें— पॉलिश किए हुए चावल और मैदे की जगह ज्वार, बाजरा, रागी, साबुत गेहूं या ब्राउन राइस जैसे अनाज खाएं। इनमें मौजूद फाइबर ब्लड शुगर लेवल को स्थिर रखने और आंतों की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके विपरीत, रिफाईंड कार्बोहाइड्रेट से भरपूर आहार वजन बढ़ाने और शरीर में सूजन (इन्फ्लेमेशन) बढ़ाने का कारण बन सकता है। पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन लें— आपकी मांसपेशियाँ जोड़ों के लिए 'शॉक एब्जॉर्बर' का काम करती हैं, इसलिए उन्हें मजबूत रखना बहुत जरूरी है। अपने हर मुख्य भोजन में दालें, राजमा, छोले, अंकुरित अनाज, पनीर, दही, अंडे, मछली या लीन चिकन शामिल करें। शाकाहारी लोग दालों को अनाज और डेयरी उत्पादों के साथ मिलाकर प्रोटीन की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं। पर्याप्त मात्रा में

विटामिन का सेवन— पर्याप्त मात्रा में विटामिन D, कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन E और विटामिन B ले, क्योंकि ये सभी मांसपेशियों और हड्डियों की सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। दूध, दही, छाछ, पनीर, रागी, तिल और हरी पत्तेदार सब्जियों में कैल्शियम, विटामिन B और मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। भारत में भरपूर घुप होने के बावजूद, बहुत से लोग विटामिन B की कमी से जूझ रहे हैं। इसलिए, अपने विटामिन B के स्तर की जाँच जरूर करवाएं। नट्स, बीज और फलियाँ मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत हैं। कोई भी सप्लीमेंट लेने से पहले हमेशा डॉक्टर से सलाह लें। अपने आहार में हेल्दी फैट्स शामिल करें— ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे हेल्दी फैट्स शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अच्छे स्रोतों में फैटी फिश (जैसे सालमन, मैक्रेल और सैल्मन) के साथ-साथ अखरोट, अलसी के बीज और चिया सीड्स शामिल हैं। खाना पकाने के तेल का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करें और केवल एक ही तरह के तेल पर निर्भर रहने के बजाय, अलग-अलग तरह के तेलों का इस्तेमाल करें। सही मसालों का चुनाव करें— हल्दी, अदरक और लहसुन में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं और ये ज्यादातर भारतीय रेसिपी में पहले से ही मौजूद होते हैं। इन्हें अपने भोजन में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है, लेकिन ये मेडिकल इलाज का ऑप्शन नहीं हैं। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड को सीमित करें— ऐसी चीजों का सेवन कम करें जो

फेडरल कोर्ट ने एंथ्रोपिक की चुनौती को किया खारिज, पेंटागन अपने सिस्टम से बसंनकम मॉडल को हटाना रखेगा जारी

हैदराबाद: पेंटागन के साथ एंथ्रोपिक के विवाद में एक नया मोड़ आया है। शुक्रवार को एक फेडरल अपील कोर्ट ने एंथ्रोपिक की उस चुनौती को खारिज कर दिया, जिसमें उसने सरकार द्वारा उसे 'सप्लाइ वेन रिसर्क' करार दिए जाने का विरोध किया था। इस फैसले के बाद पेंटागन अपने सिस्टम से एंथ्रोपिक के बसंनकम मॉडल को हटाना जारी रख सकता है और रक्षा विभाग के कामों में उसके उत्पादों के इस्तेमाल पर रोक लगा सकता है। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट के लिए 2-1 कोर्ट ऑफ अपील के जजों ने पेंटागन के पक्ष में 2-1 से फैसला सुनाया। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, "आज का सर्किट कोर्ट का फैसला डिपार्टमेंट के रुख को पूरी तरह सही उद्घारता है।" कंपनी और सरकार के बीच विवाद फरवरी में तब शुरू हुआ, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एंथ्रोपिक पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया और कंपनी को सप्लाइ चेन के लिए जोखिम करार दिया। एंथ्रोपिक के ब्रिडजरी अमोदेई ने इन चिंताओं के बावजूद पीछे हटने से इनकार कर दिया कि कंपनी के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर निगरानी या खुद से चलने वाले हथियारों से तैयार होने के लिए किया जा सकता है। यह फैसला इस गर्मी में कैलिफोर्निया में आए उस फैसले से अलग है, जिसमें एक फेडरल जज ने पाया था कि पेंटागन ने 14 के इस्तेमाल पर अपनी राय की आलोचना करने के लिए 14 कंपनी को सजा देकर



नैर-कानूनी काम किया था। इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन, D.C. में दाघर यह केस पेंटागन के एक अलग नियम पर केंद्रित था, जिसका इस्तेमाल करके वह एजीतवयव्य को सप्लाइ वेन के लिए जोखिम घोषित करने की कोशिश कर रहा था। बहुतम की राय में कहा गया है कि पेंटागन के पास अपने कदमों के लिए पर्याप्त आधार था। इसमें यह भी बताया गया है कि खुद एंथ्रोपिक ने माना है कि "कंपनी बसंनकम ने ऐसी पारदर्शिता नहीं देना चाहता।" जज ग्रेगरी जी. कटसास ने बहुमत की राय में लिखा कि, "विभाग को उचित रूप से यह आशंका थी कि एंथ्रोपिक, बसंनकम के डिजाइन में

हेर-फेर कर सकता है, ताकि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े वे काम करने से रोका जा सके, जिन्हें विभाग अनुबंध के तहत अधिकृत और जरूरी मानता है।" बहुमत बनाने वाले कटसास और जज नियोमी राय, दोनों को ही ट्रंप ने नॉमिनेट किया था। असहमति जताने वाली एकमात्र जज, करेन लेक्वेट हेंडरसन को रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने नॉमिनेट किया था। जजों ने कहा कि उन्हें इस बात पर शक करने की कोई वजह नहीं है कि एंथ्रोपिक, बसंनकम पर पाबंदी लगाने में नेक इरादों के साथ काम करता है, खासकर प्राइवेटरी और 14 सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के मामले में, लेकिन उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में सप्लाइ चेन रिसर्क की परिभाषा इस बात पर

युवराज-गांगुली के आने के बाद दिल्ली कैपिटल्स का पहला ट्रेड, तेज गेंदबाज के बदले स्पिनर को किया हासिल



इंडियन प्रीमियर लीग (एच) का अगला सीजन शुरू होने से पहले दिल्ली कैपिटल्स (व्) और सनराइजर्स हैदराबाद (र) ने बड़ी ट्रेड डील की है, जिसके तहत बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी. नटराजन अब तक के सबसे प्रभावी बाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाजों में अपनी पहचान बनाई थी। नटराजन का आईपीएल में सबसे सफल सीजन 2024 में रहा जब उन्होंने 19 विकेट लिए। वह उस सत्र में सनराइजर्स के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और और 10 मैच खेलने का भी मौका टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। नटराजन ने भारत के लिए एक टेस्ट और दो वनडे मैच भी खेले हैं। उन्होंने आईपीएल में 73 मैच में 72 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 19 रन पर चार विकेट है। दिल्ली को पहली ट्रांफ़ी का इंतजार दिल्ली कैपिटल्स को अब भी अपने पहले फ्रैंचाइज का इंतजार है, ये टीम 2020 में केवल एक बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन खिताब जीतने में नाकाम रही। पिछले दो सीजन में भी टीम प्लेऑफ में पहुंचने में सफल नहीं हो सकी।

सिंह के दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ने के बाद की गई है। कुछ दिन पहले डीसी फ्रेचाइजी ने टीम इंडिया के पूर्वी कप्तान सौरव गांगुली को टीम का हेड कोच और पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग व सहायक कोच नियुक्त किया। इससे पहले दिल्ली ने एक और बड़ी ट्रेड डील लखनऊ से की थी, जब उन्होंने कुलदीप यादव के बदले ऋषभ पंत को अपनी टीम में शामिल किया। जोशान का फ्रैंचाइज प्रदर्शन 26 साल के जोशान अंसारी ने फ्रैंचाइज के लिए डेब्यू किया और 10 मैच खेलने का भी मौका मिला, लेकिन फ्रैंचाइज 2026 में उन्हें पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेच पर ही बैठना पड़ा था। जोशान ने फ्रैंचाइज की शानदार शुरुआत की थी और दिल्ली

कैपिटल्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में तीन विकेट लिए थे, उन्होंने फ्रैंचाइज में अब तक 10 मैचों में छह विकेट लिए हैं और उम्मीद है कि वे क के स्पिन-गेंदबाजी विकल्पों को और मजबूत करेंगे, जिनमें पहले से ही अक्षर पटेल शामिल हैं। 35 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन 2020 से 2024 तक पांच सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया है। इसी टीम के लिए खेलते हुए उन्होंने आईपीएल के सबसे प्रभावी बाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाजों में अपनी पहचान बनाई थी। नटराजन का आईपीएल में सबसे सफल सीजन 2024 में रहा जब उन्होंने 19 विकेट लिए। वह उस सत्र में सनराइजर्स के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और और 10 मैच खेलने का भी मौका टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। नटराजन ने भारत के लिए एक टेस्ट और दो वनडे मैच भी खेले हैं। उन्होंने आईपीएल में 73 मैच में 72 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 19 रन पर चार विकेट है। दिल्ली को पहली ट्रांफ़ी का इंतजार दिल्ली कैपिटल्स को अब भी अपने पहले फ्रैंचाइज का इंतजार है, ये टीम 2020 में केवल एक बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन खिताब जीतने में नाकाम रही। पिछले दो सीजन में भी टीम प्लेऑफ में पहुंचने में सफल नहीं हो सकी।

ठब्ब ने पहली बार एक टूर के लिए 5 टीमों का किया ऐलान, देखें फुल

स्क्वाड और सीरीज का पूरा शेड्यूल टीम इंडिया वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज खत्म होने के बाद न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगी, जहां उनको तीन फॉर्मेट में कुल 12 मैच खेलने हैं। ये न्यूजीलैंड के क्रिकेट इतिहास की सबसे लंबी घरेलू सीरीज होने वाली है। भारत का ये न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से टी20 सीरीज के साथ शुरू होगा और 1 दिसंबर को टेस्ट सीरीज के साथ खत्म होगा। इस ऐतिहासिक दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (ठब्ब) ने तीन फॉर्मेट के लिए 5 स्क्वाड का ऐलान किया है, जिसमें टी20, टेस्ट और वनडे के लिए दो स्क्वाड शामिल हैं। इसके अलावा बोर्ड भारत 'ए' के भी स्क्वाड का ऐलान किया है, जो टेस्ट मैच से पहले न्यूजीलैंड की ए टीम से तीन अनऑफिशियल टेस्ट मैच खेलेंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 22 अक्टूबर से एक नवंबर तक खेती जाएगी। टी20 स्क्वाडश्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजु सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिसा यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव। ये पांचों मैच भारतीय समय के अनुसार दोपहर 12:30 बजे शुरू होंगे, जिसे सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी लिव पर देखा जा सकता है। सीरीजभारतीय क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड टूर के लिए इंडिया ए टीम का भी ऐलान किया है,



जो न्यूजीलैंड की ए टीम से तीन अनऑफिशियल टेस्ट मैच खेलेंगे। इंडिया। स्क्वाडश्रेयस अय्यर (कप्तान), लोकेश राहुल, देवदत्त पडविकल, रविचंद्रन स्मरण, ध्रुव जुरेल (कप्तान), वाशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आक। रा दीप, अंशुल कंबोज, मानव सुधार, मुकेश चौधरी, साई सुदर्शन, यश राठी, मुकेश कुमार और कुमार कुशाग्र (शुरुआती दो मैच के लिए), छे ओ फ्रव वनडे सीरीज भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से 15 नवंबर तक खेती जाएगी। इस सीरीज के लिए बोर्ड दो वनडे स्क्वाड का ऐलान किया है, ताकि 17 अक्टूबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टेस्ट स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को तैयार का पूरा मौका मिल सके।

पहले तीन वनडे के लिए भारतीय स्क्वाडशुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड, ऋतुराज गायकवाड, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव, आखिरी दो वनडे के लिए भारतीय स्क्वाडश्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर और अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बराड, ऋतुराज गायकवाड, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव,

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से झूमा बाजारय सेंसेक्स 1,533 अंक उछला, निफ्टी 23,000 के पार बंद



मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को जबरदस्त रौनक देखने को मिली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और मजबूत घरेलू सेंटिमेंट के दम पर घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स भारी बढ़त के साथ बंद हुए। इस तेजी से निवेशकों की चिंताएं काफी हद तक कम हुई हैं। गुरुवार के कारोबारी सत्र में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,533.72 अंक की भारी बढ़त के साथ 74,315.61 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 374.65 अंक चढ़कर 22,997.35 के स्तर पर सेटल हुआ। हालांकि, निफ्टी ने इंड्राडे ट्रेडिंग

के दौरान 23,000 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर लिया था, लेकिन क्लोजिंग बेल तक यह इससे मामूली नीचे रहा। सेंसेक्स का हाल: प् और प्राइवेट बैंकों में रही धूम आज के कारोबार में निफ्टी के शेयरों में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा मुनाफे वाले शेयर रहे। सेक्टरल परफॉर्मेंस की बात करें तो निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी आईटी (प्) इंडेक्स में सबसे ज्यादा खरीदारी देखी गई। इसके विपरीत, निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। छोटे और मझोले शेयरों पर

रहा दबावमुख्य सूचकांकों में भारी तेजी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में सुस्ती रही। गुरुवार को निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.36: की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 1.31: तक टूटकर बंद हुआ। मजबूत हुआ भारतीय रुपया शेयर बाजार की शानदार तेजी और डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी के चलते आज भारतीय रुपये में भी मजबूती देखी गई। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे मजबूत होकर 95.05 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी के लिए क्या है महत्वपूर्ण टेक्निकल लेवल? मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, निफ्टी ने आज ऊंचे स्तर पर ओपनिंग के बाद 'हायर हाई और हायर लो' का पैटर्न बनाया, जो बाजार में मजबूत खरीदारी और बुल्स की वापसी का संकेत है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 23,000 से 23,100 का दायरा निफ्टी के लिए तत्काल रेजिस्टेंस जोन है। अगर निफ्टी इस लेवल के ऊपर टिकने में कामयाब होता है, तो बाजार में तेजी और बढ़ सकती है, जो इसे 23,300 से 23,400 के स्तर तक ले जा सकती है। नीचे की तरफ यदि निफ्टी 22,800 के स्तर को बनाए रखने में विफल रहता है, तो बाजार में दोबाब बिकवाली का दबाव दिख सकता है, ऐसी स्थिति में इंडेक्स 22,600 से 22,500 के सपोर्ट जोन तक फिसल सकता है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि

प्रिया गोल्ड बिस्किट में मिला मवेशियों का चारा, क्वकस कंपतल के दूध में डिटर्जेंट है। की कानूनी कार्रवाई शुरू



देश की शीर्ष खाद्य नियामक संस्था, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने तीन बड़ी फूड कंपनियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इनमें मशहूर 'प्रियगोल्ड' बिस्किट बनाने वाली कंपनी सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड, डोडला डेयरी और यूआईआर ऑर्गेनिक फूड्स शामिल हैं। एफएसएसआई ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की है कि इन कंपनियों के उत्पादों में बेहद गंभीर कमियां और इंसानी सेहत के लिए खतरनाक तत्व पाए गए हैं, जिसके बाद इनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी गई है। प्रियगोल्ड बिस्किट में मिला माय-बैंसों का चाराएक उपभोक्ता की शिकायत के बाद जब है। की टीम ने सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड के मैनुफैक्चरिंग प्लांट का औचक निरीक्षण किया, तो वहां चौकाने वाला खुलासा हुआ। कंपनी अपने प्रियगोल्ड बिस्किट में फाइनर की मात्रा बढ़ाने के लिए 'कैंटल फीड ब्रान' (मवेशियों को खिलाया जाने वाला चोकर) का इस्तेमाल कच्चे माल के रूप में कर रही थी। जांच दल को प्लांट में चोकर से भरी ऐसी बोरियां मिलीं, जिन पर

साफ लिखा था कि यह इंसानों के खाने के लिए नहीं बल्कि पशुओं के लिए है। इसके अलावा, प्लांट में साफ-सफाई की भारी कमी, कीड़े-मकोड़ों पर नियंत्रण न होना, कच्चे माल का गलत रखरखाव और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता में बड़ी लापरवाही पाई गई। है। ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पहले कंपनी का लाइसेंस सस्पेंड किया था और अब अदालत में मुकदमा चलाने की तैयारी पूरी कर ली है। डोडला डेयरी के फुल क्रीम दूध में मिला डिटर्जेंट और कार्बोनाट सोडादक्षिण भारत के बड़े डेयरी ब्रांड्स में शुमार 'डोडला डेयरी' का फुल क्रीम दूध भी जांच में फेल हो गया है। है। द्वारा लिए गए सैंपल की शुरुआती जांच में दूध में फैट की मात्रा तय मानकों से काफी कम पाई गई थी, जिसके बाद इसे 'सबस्टैंडर्ड' घोषित किया गया। जब कंपनी ने इस रिपोर्ट को चुनौती दी, तो सैंपल को देश की शीर्ष रेफरल फूड लैबोरेट्री भेजा गया। लैबोरेट्री की फाइनल रिपोर्ट ने सबको हैरान कर दिया। दूध में डिटर्जेंट और कार्बोनाट सोडा की मिलावट की पुष्टि हुई, जो मानव शरीर के लिए बेहद 'असुरक्षित' है। इसके बाद नियामक ने कंपनी के

खिलाफ कोर्ट में केस चलाने की मंजूरी दे दी है। ऑर्गेनिक किशमिश में मिला कीटनाशकतीसरी बड़ी कार्रवाई 'यूआईआर ऑर्गेनिक फूड्स' पर हुई है, जो जैविक और शुद्ध उत्पाद बेचने का दावा करती है, जांच में कंपनी द्वारा बेची जा रही पीली किशमिश के सैंपल में भारी मात्रा में खतरनाक कीटनाशकों के अवशेष पाए गए, जैविक उत्पादों में रसायनों का ऐसा इस्तेमाल कानूनन अपराध है। है। की सख्त चेतावनीफूड रेगुलेटर ने साफ कर दिया। रिपोर्ट को चुनौती दी, तो सैंपल को देश की शीर्ष रेफरल फूड लैबोरेट्री भेजा गया। लैबोरेट्री की फाइनल रिपोर्ट ने सबको हैरान कर दिया। दूध में डिटर्जेंट और कार्बोनाट सोडा की मिलावट की पुष्टि हुई, जो मानव शरीर के लिए बेहद 'असुरक्षित' है। इसके बाद नियामक ने कंपनी के

पाकिस्तान बाहर बांग्लादेश अंदर

हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 का मेजबान भारत है। इसलिए टूर्नामेंट में पाकिस्तान हॉकी टीम के भाग लेने पर शुरू से खतरा मंडरा रहा था। हालांकि पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए पाकिस्तान की भागीदारी का दावा किया था। लेकिन इसके दो दिन बाद ही पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत में खेलने से इनकार कर दिया और अपने मैच को न्यूट्रल स्थान पर कराने की मांग की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। पाकिस्तान बाहर बांग्लादेश अंदर



न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल कर लिया है। हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत के

अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश भाग लेंगे। बता दें कि मुंबई में 2008 के आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय हॉकी नहीं खेली गई है। पाकिस्तान ने आखिरी बार भारत में 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खेली थी, जिसमें छह टीमों में वह पांचवें स्थान पर रहा था। पिछले साल भारत में हुए एशिया कप और जूनियर एशिया कप में भी पाकिस्तान ने भाग नहीं लिया था। जबकि भारतीय हॉकी टीम आखिरी बार 2006 में पाकिस्तान में सीरीज खेली थी।

‘रामायण’ की रिलीज से पहले दुर्गा पूजा में शामिल हुए रणबीर कपूर, स्टेज पर हर्षदीप कौर संग मिलाया सुर से सुर

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर अपनी आगामी फिल्म रामायण की रिलीज से पहले नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा मंडाल पहुंचे। मंडाल से एक्टर के कई सारे वीडियो सामने आया है, मुंबई के इस पारंपरिक उत्सव में शामिल होने के दौरान, रणबीर ने वहां के जश्न में हिस्सा लिया और मंच पर आकर गायिका हर्षदीप कौर के साथ एक सरप्राइज म्यूजिकल परफॉरमेंस दिया। वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में ताल और सुनहरे रंग के पारंपरिक कुर्ते और सफेद पजामे में नजर आए रणबीर कपूर ने देवी दुर्गा की पूजा की। वीडियो में, रणबीर कपूर को देवी दुर्गा के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हुए देखा गया।

फिर वहां मौजूद फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी समेत अन्य मेहमानों से मुलाकात की। एक वायरल वीडियो में वे पैपराजी का अभिवादन करते और पैपराजी से हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। वहीं एक दूसरे वीडियो में वह पैपस के साथ फोटो भी श्लिक कराई। माहौल तब और भी खुशनुमा हो गया जब रणबीर मंच पर हर्षदीप कौर के साथ शामिल हुए और उन्होंने ‘कबीरा’ गाना गाया। यह गाना उनकी 2013 की फिल्म ‘ये जवानी है दीवानी’ का एक बेहद पॉपुलर गाना है, जिसका निर्देशन अयान मुखर्जी ने ही किया था। इस जसिम में वे राम का किरदार निभाएंगे। मौके पर मुखर्जी परिवार ने मंडाल में भक्तों का स्वागत किया। काजोल, तनीषा मुखर्जी, अयान



मुखर्जी और शर्बानी मुखर्जी इस उत्सव में शामिल हुए। जया बच्चन और श्वेता बच्चन भी पूजा-अर्चना करने के लिए वहां पहुंचीं। रणबीर कपूर पिछली बार 2023 में रोमांटिक कॉमेडी ‘तू झूठी मैं मक्कार’ और एक्शन-ड्रामा ‘एनिमल’ में नजर आए थे। फिलहाल वह कई बड़ी फिल्मों की तैयारी कर रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में नितेश तिवारी की ‘रामायण: राइज ऑफ ए लीजेंड’ शामिल है, जिसमें वे राम का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में उनके साथ सीता के रोल में साई पल्लवी और रावण के

रोल जिसमें वे राम का किरदार निभाएंगे। में यश नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट का पहला भाग 5 नवंबर को दिवाली की छुट्टियों के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज होगा, जबकि दूसरा भाग 2027 में आएगा। ‘रामायण’ के अलावा, वेजिसमें वे राम का किरदार निभाएंगे। संजय लीला भंसाली की फिल्म ‘लव एंड वॉर’ से भी जुड़े हैं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी हैं। यह फिल्म जनवरी 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज है। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आने के

लव रंजन की कहानी से अरिजीत सिंह के गानों तक, 5 वजहें जो ‘पहला प्यार दूसरी बार’ को बनाती हैं मस्ट वॉच

हिंदी सिनेमा हाल के समय में एक खूबसूरत दौर से गुजर रहा है, क्योंकि इंडस्ट्री में नए चेहरों की एक लहर आ रही है, जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए लव फिल्म ने अपनी अपकमिंग रोमांटिक ड्रामा ‘पहला प्यार दूसरी बार’ को रिलीज करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस फिल्म को डेब्यूटेंट डायरेक्टर अनुज सैनी ने डायरेक्ट किया है, जबकि लव रंजन द्वारा इसे को-प्रोड्यूस किया गया है। बता दें कि इस फिल्म के साथ मेकर्स नए अलीशा चोपड़ा, स्पर्श बालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद्य, सरगुन कौर लुधरा और तुषार छिन्नर के जरिए नए चेहरों को लॉन्च कर रहे हैं।

देशभर में 23 अक्टूबर 2026 को थिएटरों में रिलीज होने के लिए तैयार फिल्म, खुद में मॉडर्न लव, फ्रेंडशिप और रिलेशनशिप में होने वाली मजेदार उथल-पुथल को समेटे हुए है। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के मजेदार ट्रेलर को दर्शकों ने खूब सराहा है। ऐसे में दर्शक ट्रेलर में नजर आने वाली एनर्जी, तीखी बातचीत, ऊर्जा, और कुछ ऐसे पलों की भी तारीफ कर रहे हैं जिन्हें देखते ही उन्हें कनेक्टेड महसूस हो रहा है। ऐसे में अभी भी आपके मन में यह सवाल है कि क्या यह रंग एनर्जी से भरपूर फिल्म आपकी वॉचलिस्ट में शामिल होने लायक है कि नहीं, तो यहां डालें फिल्म को सिल्वर स्क्रीन पर जरूर देखने वाले पांच वजहों पर



एक नजर। 1. लव रंजन टक् लॉन्च कर रहे हैं नए स्टार्स इसमें कोई दो राय नहीं है कि रंग रंजन की नब्ब को लव रंजन से बेहतर कोई और समझ सकता है। उनकी यह खासियत है कि वह नए टैलेंट्स को सिर्फ पहचानते ही नहीं बल्कि उसे मौका भी देते हैं। इस तरह से देखते ही देखते वह नए चेहरे घर-घर में जाना-पहचाना नाम बन जाते हैं। उनके प्रोजेक्ट्स में अक्सर कुछ ऐसे किरदार देखने मिलते हैं, जो आम जीवन में होने वाले कॉलेज के दोस्तों की तरह लगते हैं और वह किरदार किसी आम से लगने वाले शख्स की तरह ही जिंदगी की मुश्किलों से दो चार हो रहे होते हैं। 2. नए जोड़ियों के बीच की केमिस्ट्री पुराने तरीके से कास्टिंग करने के बजाय, यह फिल्म अपने साथ बिल्कुल 6 नए चेहरों को तीन जोड़ियों के रूप में लेकर आई है। ट्रेलर में साक्षी-कुणाल, अलीशा-स्पर्श और सरगुन-तुषार को एक साथ देखा

अपने आप में खास है, क्योंकि उनकी जोड़ी नेचुरल लगने के साथ कमाल की केमिस्ट्री भी पेश कर रही है। कहना होगा कि उनकी केमिस्ट्री फिल्म की जान है, जिसे दर्शक चाहकर भी नजरअदाज नहीं कर सकते। 3 दिन से की गई कॉमेडी फिल्म का ध्यान खींचने वाला टाइटल ही खुद बयां करता

है कि फिल्म में किस तरह की मस्ती संग ढेर सारी उथल-पुथल भरा सफर देखने को मिलने वाला है। लव रंजन की अन्य फिल्मों की तरह इसमें भी दर्शक मॉडर्न रिलेशनशिप के साथ कॉमेडी का जबरबस्त मेल देखने वाले हैं। फिल्म अपने एंटरटेनमेंट भरे अंवाज के साथ संदेश भी देती है जिसे दर्शक हमेशा याद रखते हैं। 4. कमाल का थिएट्रिकल एक्सपीरियंस यह फिल्म छोटे पर्दे पर नहीं बल्कि लोगों की भारी भीड़ के बीच खुद एन्जॉय किए जाने के लिए बनी है। यह फिल्म खुद में जबरबस्त एनर्जी लिए हुए है और इस तरह की एनर्जी सिर्फ बड़े पर्दे पर ही अच्छी तरह से महसूस की जा सकती है। फिल्म दर्शकों को हमेशा याद रहने वाला सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने वाली है, जो आप सिर्फ सिनेमा हॉल में अन्य लोगों के बीच बैठ कर हसते हुए महसूस कर सकते हैं। 5. म्यूजिकल रियूनियन इस फिल्म के साथ ‘सोनू के टीटू की

सुपर स्टार अक्षय कुमार पहुंचे मसूरी, अपकमिंग फिल्म की जल्द होगी शूटिंग

पहाड़ों की रानी मसूरी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार एक बार फिर अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। मौसम खराब के बावजूद अक्षय कुमार गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे मसूरी पहुंचे, बताया जा रहा है कि वो यहां एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में आए हैं और अगले कुछ दिनों तक मसूरी व देहरादून के विभिन्न क्षेत्रों में शूटिंग का कार्यक्रम प्रस्तावित है। हालांकि, उनकी तबीयत को लेकर सामने आ रही जानकारी के कारण उनके प्रशंसकों की नजरें उनके स्वास्थ्य और शूटिंग शेड्यूल पर भी टिकी हुई हैं। उन्हें वायरल संक्रमण जैसे लक्षण महसूस हुए और शूटिंग के दौरान उनकी कमर में भी तेज दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद देहरादून में उनके ठहरने के दौरान डॉक्टरों से उनका उपचार कराया गया। बताया जा रहा है कि मुंबई से उनके निजी चिकित्सक को भी बुलाया गया था। फिलहाल उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है और डॉक्टर उनकी सेहत पर नजर रख रहे हैं। स्वास्थ्य में सुधार के बाद अक्षय कुमार अब मसूरी पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि वह यहां एक पांच सितारा होटल में ठहरे हैं और फिलहाल आराम कर रहे हैं। उनके साथ फिल्म से जुड़े अन्य लोगों और कुछ सेलिब्रिटी के भी मसूरी पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, उनके साथ आए लोगों और शूटिंग के सटीक कार्यक्रम

को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है। गुरुवार सुबह फिल्मकारों को आकर्षित करते हैं। अक्षय कुमार की मौजूदगी से स्थानीय



मसूरी में मौसम खराब रहने के बावजूद अक्षय कुमार का यहां पहुंचना चर्चा का विषय बना हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम के बदलते मिजाज के बीच फिल्म यूनिट के लिए शूटिंग की योजना को तय समय पर पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में शूटिंग किन स्थानों पर होगी और मौसम के कारण कार्यक्रम में कोई बदलाव किया जाएगा या नहीं, इस पर सबकी नजर रहेगी। मसूरी और देहरादून तबे समय से फिल्म और मनोरंजन जगत की पसंदीदा जगह रही है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ी रास्ते और पुराने भवन

स्तर पर भी फिल्म शूटिंग को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। यदि तय कार्यक्रम के अनुसार शूटिंग होती है, तो इससे शहर में फिल्म यूनिट की गतिविधियां बढ़ने के साथ स्थानीय परिवहन, होटल और अन्य सेवाओं से जुड़े लोगों को भी काम मिलने की संभावना रहेगी। फिलहाल अक्षय कुमार के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उनके आराम करने की जानकारी सामने आई है। शूटिंग का अंतिम कार्यक्रम उनकी सेहत, डॉक्टरों की सलाह और मौसम की स्थिति को ध्यान रखकर तय होने की संभावना है।

‘नकजं जमत’ ज़तपसमत: पाकिस्तानी जासूस बना हिंदुस्तानी देशभक्त, हंस-हंसकर लोटपोट कर देगी आयुष्मान खुराना-सारा की फिल्म का ट्रेलर

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी स्पाई कॉमेडी फिल्म ‘उड़ता तीर’ दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है। बुधवार, 23 सितंबर को फिल्म का मजेदार ट्रेलर जारी किया गया है। यह फिल्म कॉमेडी, एक्शन और जासूसी का एक मजेदार मिश्रण होने का वादा करती है, जिसमें आयुष्मान का किरदार एक मिशन में फंस जाता है। धर्मा प्रोडक्शन ने 23 सितंबर को उड़ता तीर का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, ‘पेश है जबरदस्त कॉमेडी, ऐसी जो पहले कभी नहीं देखी। तैयार हो जाइए, क्योंकि यह मिशन एक रोलरकोस्टर



राइड जैसा है। ‘उड़ता तीर’ के ट्रेलर की शुरुआत पाकिस्तान के मिलिट्री ऑफिस से होता है। वॉयज ओवर में यह कहते

हुए सुना जा सकता है कि हिंदुस्तानी एक के एक जासूस पाकिस्तान में भेज रहा है, लेकिन अब पाकिस्तान, हिंदुस्तान में अपना जासूस भेजेगा। 3 मिनट 18 सेकंड के इस ट्रेलर में आयुष्मान खुराना को बिलाल अहमद के तौर पर दिखाया गया है, जो एक पाकिस्तानी जासूस है और उसे एक मिशन पर भारत भेजा जाता है, लेकिन, एक घमाके में बिलाल की याददास्त चली जाती है और कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है। अपनी पहचान को लेकर उलझन में रहने के बाद, आखिरकार



बॉलीवुड एक्ट्रेस बीजेपी सांसद कंगना रनौत और एक्टर सोनू सूद ने कोलकाता के एक दुर्गा पूजा मंडाल में हुई जानलेवा भगदड़ पर दुख जताया है। इस हादसे में लगभग 19 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। कंगना रनौत ने लोगों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर सावधानी बरतें, खासकर अब जब दशहरा और दिवाली आने वाली हैं। कोलकाता के चोरबागन दुर्गा पूजा मंडाल में हुई दुखद भगदड़ की घटना पर फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकार, ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना रनौत ने इसे अत्यंत दुखद बताया और उस शोक के बारे में बात की जो ऐसे समय में छाया है, जो आमतौर पर जश्न का समय होता है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, देखिए ये बहुत ही दुखद घटना है और यहां भगदड़ मच गई, मैं बता नहीं सकती कि त्योहारों का यह मौसम, जो आमतौर पर हर जगह खुशियों और जश्न से भरा होता है, अब किवाली जगहों पर जाने से बचें, आगे और भी त्योहार आ रहे हैं, दशहरा आ रहा है और दीवाली आ रही है। वहीं, सोनू सूद ने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट करते हुए मृतकों और उनके

परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने लिखा है, कोलकाता भगदड़ में हुई जान-हानि से गहरा दुख हुआ है, जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। क्या है मामला? शनिवार को कोलकाता में दुर्गा पूजा के चोर बागान में सप्तमी (त्योहार के सातवें दिन) की शाम करीब 7:30 बजे भगदड़ मच गई। उस समय भीड़ एक संकरी गली से होकर गुजर रही थी। भारी बारिश के कारण सड़कें फिसलन भरी हो गई थीं, हावड़ा ब्रिज से 2 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित चोर बागान कोलकाता के सबसे पुराने दुर्गा पूजा मंडालों में से एक है। चश्मदीदी ने बताया कि बारिश से बचने के लिए लोग उस संकरी गली से होते हुए पंडाल की ओर भाग, कुछ ही पलों में कई लोग फिसल गए और एक-दूसरे के ऊपर गिर पड़े, जिससे भगदड़ मच गई। इस घटना के सिलसिले में अब तने ही लोगों के लिए शोक का समय बन गया है। उन्होंने प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और जनता से अपील की कि वे भीड़-भाड़ वाले कार्यक्रमों में सतर्क रहें, उन्होंने आगे कहा, ‘हम प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं, हम लोगों से विनंती करते हैं कि वे बहुत अधिक धयका-मुक्की और भीड़भाड़

वाली जगहों पर जाने से बचें, आगे और भी त्योहार आ रहे हैं, दशहरा आ रहा है और दीवाली भी आ रही है। वहीं, सोनू सूद ने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट करते हुए मृतकों और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने लिखा है, कोलकाता भगदड़ में हुई जान-हानि से गहरा दुख हुआ है, जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। क्या है मामला? शनिवार को कोलकाता में दुर्गा पूजा के चोर बागान में सप्तमी (त्योहार के सातवें दिन) की शाम करीब 7:30 बजे भगदड़ मच गई। उस समय भीड़ एक संकरी गली से होकर गुजर रही थी। भारी बारिश के कारण सड़कें फिसलन भरी हो गई थीं, हावड़ा ब्रिज से 2 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित चोर बागान कोलकाता के सबसे पुराने दुर्गा पूजा मंडालों में से एक है। चश्मदीदी ने बताया कि बारिश से बचने के लिए लोग उस संकरी गली से होते हुए पंडाल की ओर भाग, कुछ ही पलों में कई लोग फिसल गए और एक-दूसरे के ऊपर गिर पड़े, जिससे भगदड़ मच गई। इस घटना के सिलसिले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से ज्यादातर पंडाल के आयोजक हैं।